संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 158
पृष्ठ 8
गुरूवार
26 फरवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- रंगों का त्योहार लेकिन कुछ जगहों...

विचार- एआई यानि बदलनी होगी पढ़ाई

खेल- शोएब अख्तर ने गिरगिट की तरह...

मुख्यमंत्री बोले

यूपी में जितनी चुनौतियां, उतनी संभावनाएं

टोक्यो,एजेंसी।। सीएम योगी जापान पहुंच गए हैं। उन्होंने बुधवार को जापान की राजधानी टोक्यो में यूपी इन्वेस्टमेंट रोड शो में हिस्सा लिया। निवेशकों से बात की। उन्हें संबोधित करते हुए यूपी में आपार संभावनाओं का जिक्र किया। उन्होंने जापानी निवेशकों को यूपी आने का न्योता दिया। कहा– उत्तर प्रदेश में जितनी चुनौतियां हैं, उतनी ही संभावनाएं हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत–जापान रिश्ते मजबूत हुए हैं। यूपी आबादी के लिहाज से देश का सबसे बड़ा राज्य है। जितनी बड़ी आबादी है, उतनी बड़ी चुनौतियां हैं, उतनी ही ज्यादा संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं को जमीन पर उतारने के लिए हम 9 साल से काम कर रहे हैं। भारत में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाले राज्य के तौर पर यूपी ने खुद को स्थापित किया है। यूपी ने अपनी अर्थव्यवस्था को तीन गुना, प्रति व्यक्ति आय को तीन

गुना करने में सफलता पाई है। भारत की इकोनॉमी में कभी यूपी एक बीमारू राज्य माना जाता था, आज यह भारत की इकोनॉमी का इंजन बनकर खड़ा है। लैंड ऑफ सनराइज को नमन करता हूं। भारत और जापान का संबंध सूर्य की पहली किरण से शुरू होता है और सूर्यवंश की राजधानी यूपी को एक आत्मीय संवाद के साथ जोड़ता है। उसे ही आगे बढ़ाने के लिए आपके बीच आया हूं। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत आज जिन ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है, उसे आगे बढ़ाने आया हूं। भारत और जापान के द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हो सकें, इसमें यूपी की भूमिका को बताने के लिए आपके बीच आया हूं। यूपी राम की पावन जन्मस्थली है। इसके साथ ही भगवान बुद्ध की पावन धरा है। उनका राज्य कपिलवस्तु यूपी में है। उन्होंने पहला उपदेश जिस पावन धरा पर दिया, वह सारनाथ यूपी में है। चर्तुमास वाला श्रावस्ती यूपी में है। परिनिर्वाण वाला कुशीनगर भी यूपी में है। आज यूपी में स्पिरिचुअल टूरिज्म को आगे बढ़ाने के लिए रामायण और बौद्ध सर्किट के काम को आगे बढ़ाया जा रहा है। जब भगवान राम और बुद्ध की बात होगी, तो इन दोनों का संबंध सूर्यवंश की उस महान परंपरा से जोड़ा जाएगा, जिस सूर्य की पहली किरण का इंतजार हमेशा जापानवासियों को होता है।

उन्होंने कहा– आबादी बड़ी है, लेकिन यूपी की भूमि उतनी ही उर्वरा भी है। भारत की कृषि योग्य भूमि का 11प्रतिशत ही यूपी में है, लेकिन भारत के खाद्यान्न का 21 प्रतिशत उत्पादन यूपी करता है। यूपी भारत का फूड बास्केट बनकर उभरा है। यूपी के अंदर इस फील्ड में वैल्यू एडिशन की संभावनाएं हैं। बीज से लेकर बाजार तक, पैकेजिंग के लिए नए–नए काम किए जा सकते हैं। लॉजिस्टिक और वेयर हाउसिंग की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है। भारत के अंदर सबसे अधिक जल संसाधन वाला राज्य भी यूपी है। इसका उपयोग कृषि और ग्रीन हाइड्रोजन के निर्माण में कर सकते हैं। योगी ने कहा– यूपी की 25 करोड़ की आबादी में 56 प्रतिशत लोग वर्किंग हैं। युवा हैं। किसी भी फील्ड में काम करने के लिए स्किल मैन पावर है।

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद फैसला

किताब से विवादित अंश हटाएगी सरकार

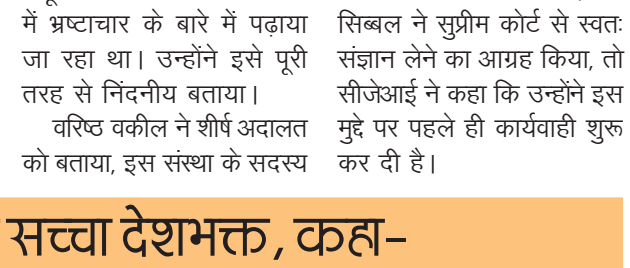

नई दिल्ली,एजेंसी। एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की नई पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका से जुड़ा एक खंड शामिल किया गया था। इस संशोधित खंड में न्याय वितरण प्रणाली को प्रभावित करने वाले कारकों के रूप में न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार को दर्शाया गया था। एनसीईआरटी की कक्षा आठ की एक किताब में न्यायपालिका से जुड़ी विवादित सामग्री पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को गंभीर आपत्ति जताई थी। अब इस मामले में केंद्र सरकार के सूत्रों की ओर से सामने आया है कि किताबों से ये हिस्सा हटाया जाएगा। सूत्रों के हवाले से केंद्र सरकार ने साफ किया है कि यह खंड लिखा ही नहीं जाना चाहिए था। सूत्रों ने कहा कि ऐसे पहलुओं को उजागर करना उचित नहीं है। इनकी जगह पर प्रेरक बातें लिखी जानी चाहिए थीं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने बुधवार को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा प्रकाशित कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की नई पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के संदर्भों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि किसी को भी इस संस्था को शबदनाम या अपमानितश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह मामला मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने तब आया, जब वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने संशोधित पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु पर चिंता व्यक्त की। सिब्बल ने कहा कि कानूनी बिरादरी के सदस्य इस बात से बहुत चिंतित थे कि स्कूली बच्चों को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाया जा रहा था। उन्होंने इसे पूरी तरह से निंदनीय बताया।

वरिष्ठ वकील ने शीर्ष अदालत को बताया, इस संस्था के सदस्य होने के नाते हमें यह जानकर गहरा दुख हुआ है कि कक्षा 8 के बच्चों को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाया जा रहा है। संस्था से हमारा गहरा संबंध है। हमारे पास पुस्तक की प्रतियां मौजूद हैं। इसके जवाब में, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि वह पहले से ही इस विवाद से अवगत थे और उन्हें न्यायपालिका के सदस्यों से इस मामले पर चिंता व्यक्त करने वाले कई पत्र प्राप्त हुए थे। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी करते हुए कहा कि पुस्तक की सामग्री से कई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश भी परेशान थे। जब सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया, तो सीजेआई ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर पहले ही कार्यवाही शुरू कर दी है।

पीएम मोदी के इस्राइल दौरे पर कांग्रेस का हमला,

यह नैतिक कायरता : जयराम

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्राइल दौरे से पहले उन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का जिक्र करते हुए कहा कि पीएम मोदी ऐसे समय में नैतिक कायरता दिखा रहे हैं, जब पूरी दुनिया उनके प्यारे दोस्त की आलोचना कर रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर एक पोस्ट में रमेश ने फिलिस्तीन के समर्थन में पुरानी सरकारों के कदमों को याद किया। उन्होंने बताया कि 20 मई 1960 को जवाहरलाल नेहरू गाजा गए थे और वहां संयुक्त राष्ट्र की भारतीय टुकड़ी से मिले थे। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि भारत ने 29 नवंबर 1981 को फिलिस्तीन के साथ एकजुटता दिखाने के लिए एक यादगार डाक टिकट जारी किया था। इसके बाद 18 नवंबर 1988 को भारत ने फिलिस्तीन को औपचारिक रूप से एक देश के तौर पर मान्यता दी थी। रमेश ने लिखा, श्वह एक अलग दौर था। अब भारतीय प्रधानमंत्री खुलेआम इस्राइल के प्रधानमंत्री को गले लगा रहे हैं। नेतन्याहू ने गाजा को मलबे और धूल में बदल दिया है और वे अवैध बस्तियों को बढ़ाने की साजिश कर रहे हैं। जब पूरी दुनिया नेतन्याहू की बुराई कर रही है, तो मोदी नैतिक रूप से कायरता दिखा रहे होंगे। इससे पहले कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी पीएम मोदी से एक अपील की। उन्होंने कहा कि जब पीएम इस्राइल की संसद (नेसेट) में बोलें तो वे गाजा संघर्ष पर भी बात करें। प्रियंका ने लिखा, श्मुझे उम्मीद है कि पीएम मोदी गाजा में मारे गए हजारों बेगुनाह लोगों के नरसंहार का जिक्र करेंगे और उनके लिए न्याय की मांग करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 और 26 फरवरी को इस्राइल के राजकीय दौरे पर रहेंगे।

राहुल गांधी ने मोहम्मद दीपक को बताया सच्चा देशभक्त, कहा–

नफरत के खिलाफ खड़े होकर पेश की नई मिसाल

नई दिल्ली,एजेंसी। कोटद्वार में मुस्लिम दुकानदार के समर्थन में खड़े हुए जिम संचालक दीपक कुमार को राहुल गांधी ने सच्चा देशभक्त बताया है। मोहम्मद दीपक के नाम से चर्चित दीपक ने बजरंग दल के प्रदर्शन का विरोध किया था। मामले में तीन एफआईआर दर्ज हैं। विवाद के बाद उनका कारोबार प्रभावित हुआ है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उत्तराखंड के कोटद्वार के जिम संचालक दीपक कुमार की सराहना करते हुए उन्हें सच्चा देशभक्त बताया है। राहुल ने कहा कि दीपक ने नफरत के खिलाफ डटकर कमजोर की रक्षा की और इससे बड़ी देशभक्ति कोई नहीं हो सकती। दीपक उस समय चर्चा में आए जब उन्होंने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का विरोध किया, जो कथित तौर पर एक मुस्लिम दुकानदार को परेशान कर रहे थे। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर दीपक कुमार और उनके मित्र विजय रावत के साथ मुलाकात का वीडियो साझा किया। उन्होंने लिखा कि देश में करोड़ों लोगों के दिल में प्रेम और सौहार्द की भावना है, लेकिन मन में डर भी है। दीपक ने अपने साहस से लोगों को रास्ता दिखाया है। जो लोग नफरत फैलाते हैं और समाज को डराते हैं, वे कायर हैं। उनसे डरने की जरूरत नहीं है। राहुल ने कहा कि दीपक ने तिरंगे और संविधान की रक्षा की है।

यह घटना 26 जनवरी की है। कोटद्वार के पटेल मार्ग पर स्थित 'बाबा' नाम की कपड़ों की दुकान के बाहर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि 70 वर्षीय दुकानदार वकील अहमद को दुकान का नाम बदलना चाहिए। इसी दौरान झड़प हुई। दुकानदार के बेटे के मित्र दीपक कुमार ने हस्तक्षेप किया और खुद को 'मोहम्मद दीपक' बताते हुए प्रदर्शनकारियों का सामना किया। इसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

31 जनवरी को फिर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता दुकान और दीपक के जिम के बाहर जमा हुए। सड़क जाम की गई और नारेबाजी हुई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात काबू में किए और बड़ा टकराव टल गया। इस पूरे घटनाक्रम में तीन अलग–अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। दीपक कुमार 42 वर्ष के हैं और 'द हल्क' नाम से जिम चलाते हैं। उनका कहना है कि इस विवाद के बाद उनका कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। राहुल गांधी ने दीपक कुमार से दिल्ली स्थित 10 जनपथ पर मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस नेता वैभव वालिया और अन्य लोग भी मौजूद थे। दीपक की मुलाकात कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी हुई। राहुल ने दीपक की पत्नी से भी बात की और कहा कि डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह कोटद्वार आकर उनसे मिलेंगे। दीपक ने राहुल से कहा कि उन्हें भगवान के अलावा किसी से डर नहीं लगता। इस घटना के बाद राहुल गांधी ने कहा कि संघ परिवार जानबूझकर समाज और अर्थव्यवस्था में जहर घोल रहा है ताकि देश बंटा रहे। उन्होंने दीपक को भारत का नायक बताया और कहा कि वह संविधान और इंसानियत की लड़ाई लड़ रहे हैं। इस पूरे मामले ने उत्तराखंड में सामाजिक तनाव और राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है।

युवा कांग्रेस सदस्यों की गिरफ्तारी शर्मनाक, देशहित से समझौते कर रही सरकार : प्रियंका

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने युवा कांग्रेस सदस्यों के खिलाफ की गई कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि जनता की आवाज उठाने वाले युवा कांग्रेस सदस्यों पर की गई कार्रवाई अत्यंत निंदनीय और शर्मनाक है। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया पर किए गए अपने पोस्ट में कहा कि सत्य के लिए शांतिपूर्ण और अहिंसक प्रतिरोध भारत की गौरवशाली परंपरा रही है, जो महात्मा गांधी और स्वतंत्रता आंदोलन से विरासत में मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि वैश्विक दबाव के आगे झुककर सरकार ने देश के हितों से समझौता किया है और प्रधानमंत्री व सरकार के खिलाफ आवाज उठाना 1.4 अरब भारतीयों के हित में है। उनकी यह टिप्पणी उस समय आई है, जब दिल्ली पुलिस ने एआई समिट में हुए शर्टलेस विरोध प्रदर्शन के मामले में भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब को मुख्य साजिशकर्ता और मास्टरमाइंड बताते हुए गिरफ्तार किया। पुलिस ने पहले हिरासत में लिए गए सात अन्य यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर भी दंगा समेत अतिरिक्त धाराएं जोड़ी हैं। बताया गया कि पिछले सप्ताह एआई समिट के दौरान हॉल नंबर 5 में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक समूह ने शर्ट उतारकर सरकार और भारत–अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के खिलाफ लिखे स्लोगन वाली टी–शर्ट दिखाते हुए विरोध प्रदर्शन किया था।

पहले रिश्वतखोरी में पकड़े गए डीडीएम, फिर छापेमारी में घर से मिला करोड़ो का खजाना

भुवनेश्वर,एजेंसी। ओडिशा में भ्रष्टाचार के खिलाफ मंगलवार की रात राज्य की विजिलेंस टीम ने बड़ी कार्रवाई की। टीम ने कटक मंडल के डिप्टी डायरेक्टर ऑफ माइनिंग (डीडीएम) देबाब्रत मोहंती के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इसके तहत डिप्टी डायरेक्टर ऑफ माइनिंग देबाब्रत मोहंती को रात में 30,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। इसके तुरंत बाद ओडिशा विजिलेंस की टीम ने उनके घर और कार्यालय पर छापेमारी शुरू की। यह खोज अभियान उनके भुवनेश्वर स्थित फ्लैट, माता–पिता के घर (मठसाही, भद्रक) और कटक कार्यालय में चलाया गया। तत्कालीन छानबीन के दौरान भुवनेश्वर के फ्लैट से ट्रॉली बैग और अलमारी में छुपाए गए 4 करोड़ रुपये से ज्यादा नकद बरामद किए गए। गिनती जारी है ताकि सही राशि का पता लगाया जा सके। ओडिशा विजिलेंस के इतिहास में यह अब तक की सबसे बड़ी नकद बरामदगी है। अधिकारियों ने बताया कि इस कार्रवाई से

भ्रष्टाचार के खिलाफ संदेश जाएगा और विभागीय जांच आगे भी जारी रहेगी। मामले में भुवनेश्वर विजिलेंस के एसपी सरोज कुमार समाल ने बताया कि मोहंती पर आरोप था कि वह एक लाइसेंसी कोयला डिपो के मालिक से हर महीने 40,000 रुपये की रिश्वत मांग रहे थे। डिपो मालिक ने विजिलेंस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद विजिलेंस ने प्रारंभिक जांच की और मोहंती को रंगे हाथ पकड़ लिया। उसके बाद उनके कार्यालय की तलाशी ली गई और वहां से 1,20,000 रुपये नकद बरामद हुए। इसके साथ ही, मोहंती के भुवनेश्वर स्थित पटिया के किराए के घर, फूलबनी के घर, उनके पैतृक घर भद्रक और भुवनेश्वर के पहाल स्थित नए बने घर पर भी छापेमारी की गई। इस कार्रवाई में उनके घरों और कार्यालय से ट्रॉली और प्लास्टिक में छुपाया गया कुल 4.27 करोड़ रुपये से अधिक नकद बरामद हुआ। इसके अलावा, 130 ग्राम से ज्यादा सोने के गहने और बैंक एवं वित्तीय बचत भी मिली। विजिलेंस ने बताया कि नकद और गहनों की गिनती और जांच अभी जारी है। यह अब तक की ओडिशा विजिलेंस की सबसे बड़ी नकद बरामदगी है और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश देती है।

मेरी काबिलियत पर कोई सवाल नहीं उठा सकता–परमेश्वर.

बंगलूरू,एजेंसी। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर के एक ताजा बयान से राज्य की राजनीतिक गरमा गई है। दरअसल राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा के बीच जी परमेश्वर ने भी सीएम पद पर दावा ठोक दिया है। उन्होंने कहा कि कोई भी मेरी काबिलियत पर सवाल नहीं उठा सकता। कर्नाटक में सीएम पद को लेकर खींचतान खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। अभी तक सीएम सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच ही नेतृत्व को लेकर खींचतान थी, अब राज्य के गृह मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जी परमेश्वर भी सीएम पद की रेस में शामिल हो गए हैं। जी परमेश्वर ने एक ताजा बयान में कहा है कि अगर उनके समर्थक सीएम पद के लिए उनके नाम का प्रस्ताव दे रहे हैं, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि उनकी काबिलियत पर कोई सवाल नहीं उठा सकता।

क्या एसआईआर में 10वीं का एडमिट कार्ड होगा मान्य?

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया के बीच सुप्रीम कोर्ट ने पहचान सत्यापन को लेकर महत्वपूर्ण स्पष्टता दी है। अदालत ने कहा है कि कक्षा 10 का एडमिट कार्ड, यदि पास प्रमाणपत्र के साथ प्रस्तुत किया जाए, तो इसे सहायक दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जा सकता है। यह फैसला उन लाखों मतदाताओं के लिए अहम है जिनके नाम मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया पर आपत्तियां दर्ज हैं। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने यह आदेश वरिष्ठ अधिवक्ता डी.एस. नायडू द्वारा उठाई गई शंका के बाद दिया। वकील ने पूछा था कि क्या 10वीं का एडमिट कार्ड अकेले पहचान पत्र के रूप में मान्य होगा। इस पर अदालत ने स्पष्ट किया कि यह केवल सहायक दस्तावेज होगा, अकेला पहचान पत्र नहीं। अदालत ने अपने 24 फरवरी 2026 के आदेश में कहा कि जो दस्तावेज अब तक अपलोड नहीं हुए हैं और 15 फरवरी से पहले प्राप्त हो चुके हैं, उन्हें निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी कल शाम 5 बजे तक संबंधित न्यायिक अधिकारियों को सौंपें। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि माध्यमिक यानी कक्षा 10 का एडमिट कार्ड, पास प्रमाणपत्र के साथ जन्मतिथि और अभिभावक संबंध साबित करने के लिए दिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बड़ा फैसला देते हुए कहा था कि 80 लाख दावों और आपत्तियों की जांच के लिए पश्चिम बंगाल के 250 जिला जजों के अलावा सिविल जजों को भी लगाया जा सकता है। अदालत ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुजय पॉल के 22 फरवरी के पत्र पर ध्यान दिया। पत्र में कहा गया था कि 250 जिला जज भी यदि रोज 250 मामले निपटाएं, तो पूरी प्रक्रिया में करीब 80 दिन लगेंगे।

धोखाधड़ी कर बैनामा कराने पर सात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। इलाके के मो.पुर नौगवां गांव के रहने वाले मो. वसीम की करीब एक बीघा से अधिक जमीन राजापुर मल्हुआ गांव में स्थित है। उक्त जमीन का कुछ हिस्सा धोखे से जमीन कारोबारी द्वारा बैनामा कर लिया गया था। मामले की जानकारी होने पर वसीम ने सोरांव पुलिस से शिकायत किया। कार्यवाही न होने पर पुलिस आयुक्त को शिकायती पत्र देते हुए कार्रवाई की मांग की गई। मंगलवार को पुलिस ने मऊआइमा थाना अंतर्गत तेजपुर गांव के मो. ताज, बहरिया के कहली गांव निवासी आशीष नाथ उर्फ अंकुर, राजापुर मल्हुआ गांव के अखिलेश धर द्विवेदी, नवाबगंज के सरस्वतीपुर उर्फ कौड़िहार के सोनू यादव, नवाबगंज थाना क्षेत्र के टिकरी गांव के राधेश्याम यादव, थरवई थाना अंतर्गत दुआरी गांव निवासी गणेश मिश्र और अरुआव के रहने वाले बच्चा यादव समेत सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्रभारी निरीक्षक केशव वर्मा ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

ग्राम सभा की जमीन से हटेगा अतिक्रमण, एसडीएम ने दिया आदेश

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के चक अमानुल्लाह उर्फ चकमूदन धमौर गांव में ग्राम सभा की जमीन पर अतिक्रमण करके क्रय विक्रय का मामला प्रकाश में आया है। ग्रामीणों की शिकायत पर एसडीएम ने अवैध कब्जा हटवाने के लिए राजस्व निरीक्षक और थाना अध्यक्ष बहरिया को आदेशित किया है।

ग्रामीणों ने एसडीएम फूलपुर जूही प्रसाद को शिकायतपत्र देकर आरोप लगाया था कि चक अमानुल्लाह उर्फ चकमुदन धमौर गांव की ग्रामसभा की संपत्ति राजस्व अभिलेख में उसर खाते के नाम से दर्ज है। इस ग्राम सभा की जमीन पर भूमाफिया अवैध कब्जा करके प्लॉटिंग कर रहे हैं, जिससे सरकारी संपत्ति को नुकसान हो रहा है। एसडीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए राजस्व निरीक्षक और थानाध्यक्ष बहरिया को ग्राम सभा की जमीन से अवैध कब्जा हटवाने के लिए आदेशित किया है। थानाध्यक्ष बहरिया ब्रजेश सिंह ने बताया कि ग्राम सभा की जमीन से अतिक्रमण हटवाने की कार्रवाई की जाएगी।

घर से कश्वलेज के लिए निकली सगी बहनें लापता, शिकायत

प्रयागराज। घर से कॉलेज के लिए निकली दो सगी बहनें अचानक लापता हो गईं। परिजन ने पुलिस से शिकायत की है। थाना नवाबगंज के टिकरी गांव निवासी एक पीड़ित परिजन ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया है कि उसकी बड़ी बेटी (20) श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय शांतिपुरम फाफामऊ में बीएससी में पढ़ती है। दूसरी बेटी (17) आरपी रस्तोगी इंटरमीडिएट कॉलेज शिवपुर में शिक्षा ग्रहण कर रही है। सोमवार की सुबह करीब 9 बजे दोनों बहनें एक साथ कॉलेज के लिए घर निकली, फिर देर शाम तक वापस नहीं लौटी। बड़ी बेटी का मोबाइल फोन स्विच ऑफ आने पर पीड़िता परिजन हैरान हो गए। परिजन देर रात थाना नवाबगंज पहुंचे और घटना की तहरीर दी। कोतवाल नवाबगंज राघवेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

ई-रिक्शा और चार पहिया वाहन में टक्कर, पांच घायल

प्रयागराज। बाजार में मंगलवार को ई-रिक्शा और चारपहिया वाहन में टक्कर हो गई। हादसे में पांच लोग घायल हो गए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरगढ़ लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों में अंकिता (26) पत्नी नंदलाल, लबी (4) पुत्री नंदलाल, नंदलाल (28) पुत्र रामलाल, गुड़िया (40) पत्नी चंद्रशेखर निवासीगढ़ लोहगरा थाना बारा और नंदन कुमार (23) पुत्र राजा बाबू निवासी बरा फरहदी सोहागी, मध्य प्रदेश शामिल हैं। हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

दुकान के कमरे में मिला युवक का शव

प्रयागराज। क्षेत्र के बोधीपुर हाटा गांव में मंगलवार को एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। अजय उपाध्याय (45) का शव गांव से करीब ढाई सौ मीटर दूर मांडादृ बरौंधा मार्ग स्थित एक दुकान के कमरे में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के अनुसार, अजय उपाध्याय सोमवार शाम बाजार जाने की बात कहकर घर से निकले थे। देर रात तक वापस न लौटने पर परिवार चिंतित हो उठा। सुबह खोजबीन के दौरान पता चला कि राजेश शर्मा की दुकान में उनका शव पड़ा है। जानकारी मिलते ही पत्नी ममता, पुत्र शिवेश और पुत्री श्रेया सहित परिजन मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों का कहना है कि सोमवार रात दुकान पर कुछ लोगों की बैठकी हुई थी। इसके बाद दुकान बंद कर दी गई। ऐसे में मृतक पूरी रात अंदर कैसे रह गया, यह सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार वर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने दुकान संचालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि प्रथम दृष्टया अत्यधिक शराब सेवन की आशंका प्रतीत हो रही है, हालांकि मृत्यु का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चोरी के 24 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली

प्रयागराज। मेजारोड में ज्वेलरी की दुकान का ताला तोड़कर हुई चोरी की घटना के 24 घंटे बाद भी मेजारोड पुलिस के हाथ खाली है। पुलिस चोरों तक पहुंचने के लिए सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को खंगाल रही है। हालांकि, चोरों का किसी प्रकार का क्लू नहीं पता चल सका है। जिससे व्यापारियों में आक्रोश है। बता दें कि मेजारोड चौराहे पर सर्राफा कारोबारी राहुल सेठ की ज्वेलरी की दुकान का ताला तोड़कर चोर तिजोरी उठा ले गए थे। तिजोरी दुकान से 50 मीटर दूर खेत में फेंकी गई थी। बाद में तिजोरी बरामद कर ली गई थी। सर्राफा कारोबारी राहुल सेठ ने बताया कि चार साल में तीसरी बार चोरों ने दुकान को निशाना बना चुके हैं। व्यापारी नेता अखिलेश मिश्रा ने कहा कि रात में गश्त न होने से चोर बेखौफ हो गए हैं। मेजा थाने के इंस्पेक्टर दीनदयाल सिंह ने बताया कि जल्द ही चोर पकड़े जाएंगे।

जर्जर बिजली के खंभों से हादसे की आशंका

प्रयागराज। कस्बे के मोहल्ला चिकान स्थित सोनाशाह मजार के पीछे बिजली का खंभा क्षतिग्रस्त हो गया हैए जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना हो सकती है। लोहे के खंभे में जंग लग गया है। मोहल्ले के तौफीक राइन, टीपू अंसारी, विष्णु पाल और अफरोज अंसारी ने बताया कि खंभा बीते एक साल से जर्जर है। उक्त मार्ग से हजारों लोगों का आवागमन होता है। उन्होंने मांग की कि खंभे को जल्द से जल्द बदला जाए।

आशुतोष ब्रह्मचारी बोले- शंकराचार्य को भेजा जाए जेल, सनातन के नाम पर लेते हैं विदेशों से धन

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी अमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य पर पॉक्सो एक्ट का मुकदमा दर्ज कराने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी ने बुधवार को मीडिया के सामने शंकराचार्य पर कई और गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने उनको तत्काल गिरफ्तार करने की मांग प्रशासन से की है। ज्योतिर्मठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुकुंदानंद गिरि ब्रह्मचारी के ऊपर बाल यौन शोषण का केस दर्ज कराने वाले शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी ने शंकराचार्य को तत्काल जेल भेजने की मांग की। बुधवार को वह लोक निर्माण विभाग के डाक बंगले में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। आशुतोष ब्रह्मचारी ने आरोप लगाया कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सनातन धर्म का चोला ओढ़कर विदेशों से फंडिंग लेते हैं। इसी कारण से मां गंगा ने उन्हें स्नान करने से रोक दिया। आरोप लगाया कि अविमुक्तेश्वरानंद के गुरु को ही शंकराचार्य की उपाधि नहीं मिली थी। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आग्रह किया कि अविमुक्तेश्वरानंद को गिरफ्तार कर तत्काल जेल में डालना चाहिए। यह भी आरोप लगाया कि वह मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर विद्यामठ सहित अन्य स्थानों पर यौन शोषण करते हैं।

पुलिस अधिकारी के साथ के फोटो को बताया एआई जनित

आशुतोष ब्रह्मचारी ने प्रयागराज के एक पुलिस अधिकारी के साथ वायरल हुए अपने एक फोटो को एआई जनित बताया है। कहा कि इसमें कोई सच्चाई नहीं है। यह उनको बदनाम करने और जांच प्रभावित करने के लिए साजिश के तहत फेक फोटो तैयार किया गया है। इसके खिलाफ वह कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे और ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि वह कोई हिस्ट्रीशीटर नहीं हैं न ही उनके ऊपर कोई मुकदमा है। किसी पुलिस अधिकारी ने उनके हिस्ट्रीशीटर होने की पुष्टि नहीं की है। सब मनगढ़ंत आरोप लगाया जा रहा है।

भद्रा पुच्छ काल में होगा होलिका दहन, आठ दिनों का होलाष्टक शुरू

प्रयागराज। फाल्गुन मास की अष्टमी तिथि से होलाष्टक की शुरुआत हो चुकी है। पं. विनय मिश्रा के अनुसार, होलाष्टक के आठ दिनों में विवाह, गृह प्रवेश और उपनयन जैसे मांगलिक कार्य टालने की सलाह दी जाती है, हालांकि गंगा-यमुना के मध्य क्षेत्र में यह दोष मान्य नहीं है।

फाल्गुन मास की अष्टमी तिथि से होलाष्टक की शुरुआत हो चुकी है। पं. विनय मिश्रा के अनुसार, होलाष्टक के आठ दिनों में विवाह, गृह प्रवेश और उपनयन जैसे मांगलिक कार्य टालने की सलाह दी जाती है, हालांकि गंगा-यमुना के मध्य क्षेत्र में यह दोष मान्य नहीं है। इस अवधि में जप, तप, दान और भगवान की आराधना का विशेष महत्व है।

दो मार्च की रात 12.50 से 2.02 बजे के बीच भद्रा के पुच्छ काल में होलिका दहन किया जाएगा। पं. मिश्रा ने बताया कि तीन मार्च को पूर्णिमा के दिन दोपहर 3रू20 से 6रू47 तक चंद्रग्रहण रहेगा। ग्रहण के कारण सूतक रहेगा जो सुबह छह बजे से प्रभावी हो जाएगा। इस स्थिति में तीन मार्च को शाम 6रू47 बजे के बाद होली खेल सकते हैं।

होली पर नई परंपरा की अनुमति नहीं रू जिलाधिकारी

जिलाधिकारी ने सभी मातहतों संग सभी एसीपी को अपने-अपने क्षेत्रों में होलिका दहन स्थलों का भ्रमण कर निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोजकों के साथ बैठक कर सौहार्द बनाए रखा जाए। किसी भी दशा में मिलावटी पदार्थों की बिक्री रोकने के साथ किसी भी नई परंपरा की अनुमति नहीं दी जाएगी। वहीं, अपर पुलिस आयुक्त ने कहा कि अफवाह फैलाने वालों पर पैनी नजर रखकर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। डीएम मनीष कुमार वर्मा ने संगम सभागार में पीस कमेटी के साथ अन्य संस्थाओं से जुड़े लोगों सुझाव लिए। उन्होंने कहा कि मार्च में होली, रमजान, ईद के साथ नवरात्र समेत कई त्योहार हैं। होलिका दहन स्थल परिवर्तित किए जाने के लिए सभी पक्षों की सहमति हो।

होलिका दहन से सार्वजनिक आवागमन बाधित न हो, इसका ध्यान रखा जाए। बोर्ड परीक्षा के दृष्टिगत साउंड सिस्टम को धीमी आवाज में ही बजाने के लिए कहा गया। होलिका दहन से पूर्व थानावार बैठकें की जाएं। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भ्रमणशील रहें। सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक दवाइयां और चिकित्सकों की उपस्थिति रहे। अपर पुलिस आयुक्त डॉ. अजय पाल शर्मा ने पीस कमेटी व अन्य संगठनों के पदाधिकारियों से त्योहारों पर सहयोग प्रदान करने के लिए कहा। उन्होंने संवेदनशील स्थालों का भ्रमण करने की बात कही। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखें जिससे कोई अफवाह न फैले। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत, पीस कमेटी, सिविल डिफेंस, जिला अपराध निरोधक समिति, टेंपो-टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष आदि उपस्थित रहे।

संवेदनशील जिलों में विशेष निगरानी के निर्देश, 19 जिलों में बढ़ी सख्ती

प्रयागराज। हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की मुख्य परीक्षाएं शुरू होते ही नकल के मामलों के खुलासे के बाद माध्यमिक शिक्षा परिषद ने संवेदनशील जिलों में सख्ती बढ़ा दी है।

हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की मुख्य परीक्षाएं शुरू होते ही नकल के मामलों के खुलासे के बाद माध्यमिक शिक्षा परिषद ने संवेदनशील जिलों में सख्ती बढ़ा दी है।

बुधवार को प्रथम पाली में हाईस्कूल विज्ञान तथा इंटरमीडिएट संगीत गायन, संगीत वादन एवं नृत्य कला की परीक्षा होगी। इसमें हाईस्कूल के 27,58,235 तथा इंटरमीडिएट के 8,052 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। कुल मिलाकर प्रथम पाली में 27,66,287 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट रसायन विज्ञान एवं समाजशास्त्र की परीक्षा 7,984 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी, जिसमें 20,56,919 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। हाल के दिनों में कई जिलों में केंद्रों के बाहर कापियां लिखे जाने और सॉल्वर पकड़े जाने का मामला प्रकाश में आया था। इसके बाद परिषद के सचिव भगवती सिंह ने संवेदनशील जिलों के जिला विद्यालय निरीक्षकों (डीआईओएस) को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। जिलों में तैनात पर्यवेक्षकों को अति संवेदनशील केंद्रों पर दो से तीन बार औचक निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। इस प्रकार, प्रयागराज, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, एटा, कासगंज, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, हरदोई, कन्नौज, आजमगढ़, बलिया, मऊ, जौनपुर, गाजीपुर, देवरिया और गोंडा के साथ मैनपुरी समेत कुल 19 जिलों में विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।

बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने लिया शपथ

प्रयागराज। बार एसोसिएशन बारा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार को तहसील सभागार में हुआ। मुख्य अतिथि विधायक बारा डॉ. वाचस्पति ने कहा कि वादकारी का हित सर्वोपरि है, वादकारियों को न्याय दिलाने में अधिवक्ता की भूमिका अहम होती है। अधिवक्ताओं की जिम्मेदारी है कि गांव से आने वाले समाज के हर व्यक्ति को समय पर और सस्ता न्याय मिल सके। एसडीएम बारा प्रेरणा गौतम ने अधिवक्ताओं को हर संभव सहयोग दिए जाने का आश्वासन दिया।अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष गणेश प्रसाद द्विवेदी और संचालन गया प्रसाद त्रिपाठी ने की। इससे पहले नव निर्वाचित अध्यक्ष बीरेंद्र यादव को शपथ दिलाई गई। उसके बाद अध्यक्ष ने समस्त नव निर्वाचित पदाधिकारियों वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय कुमार तिवारी, मंत्री अनिल कुमार द्विवेदी, कोषाध्यक्ष कौशल तिवारी, ऑडिटर अभिलाष त्रिपाठी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष दल बहादुर सिंह, पुस्तकालयाध्यक्ष चंदन साहू आदि को शपथ ग्रहण कराया। मौके पर शरद चन्द्र मिश्रा, दिनेश तिवारी, राजेन्द्र श्रीवास्तव, देवमणि यादव, सुनीत श्रीवास्तव, निर्भय शंकर दुबे, कमलाकांत त्रिपाठी और सुनीत श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

गिरफ्तार कक्ष निरीक्षक को भेजा गया जेल

प्रयागराज। कड़ेदीन स्मारक इंटर कॉलेज मदारी में इंटर की जीव विज्ञान की परीक्षा के दौरान नकल सामग्री के साथ गिरफ्तार कक्ष निरीक्षक को मंगलवार को कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया गया है। जबकि केंद्र व्यवस्थापक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह ने बताया था कि सोमवार को पर्यवेक्षक दल ने कड़ेदीन स्मारक इंटर कॉलेज मदारी का औचक निरीक्षक किया था। पुलिस ने कक्ष निरीक्षक वेद व्यास मिश्रा निवासी गदियानी तथा केंद्र व्यवस्थापक बृजराज सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। केंद्र व्यवस्थापक बृजराज सिंह अभी तक पुलिस के गिरफ्त से बाहर हैं। मंगलवार को आरोपी केंद्र व्यवस्थापक को हटाकर ओमप्रकाश यादव को चार्ज दिया गया है। नव नियुक्त केन्द्र व्यवस्थापक ओमप्रकाश यादव ने बताया कि वह मंगलवार को परीक्षा केंद्र का चार्ज ले लिए हैं उन्होंने कहा। है कि नकलचियों को खैर नहीं है। इंस्पेक्टर मऊआइमा पंकज अवस्थी का कहना है कि एक आरोपी को जेल भेज दिया गया है जबकि केंद्र व्यवस्थापक बृजराज सिंह को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्कॉर्पियो सवार युवक से मारपीट, वाहन किया क्षतिग्रस्त

प्रयागराज। शादी समारोह से लौट रहे स्कॉर्पियो सवार से मारपीट की गई। साथ ही स्कॉर्पियोको भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। पुलिस को तहरीर दी गई है। घूरपुर थाना क्षेत्र के अमिलिया निवासी सहदेव उर्फ रिंकू पाल का आरोप है कि सोमवार को रात्रि वह अपने मित्र रिंकू के साथ स्कॉर्पियो से बालपुर गांव में एक शादी समारोह से लौट रहा था। बगबना नहर के पास रास्ते में कुछ लोगों ने स्कॉर्पियो के शीशे को क्षतिग्रस्त कर दिया। जब युवक गाड़ी से उतरा तो आरोपी मारपीट करने लगे। घूरपुर थाना प्रभारी दिनेश सिंह मौके पर पहुंचे तो आरोपी भाग निकले थे । थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों में शराब के नशे में विवाद हुआ है। मामले की जांच की जा रही है।

फंदे पर लटकती मिला विवाहिता, जांच में जुटी पुलिस

प्रयागराज। इलाके के गौरा गांव में सोमवार रात एक विवाहिता फंदे पर लटकती मिली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मेजा थाना क्षेत्र के गौरा गांव के मोहम्मद मुकीम विदेश में रहता है। यहां घर पर उनकी पत्नी सहाना बेगम (24) परिजनों संग रहती थी। सोमवार रात वह खाना खाकर कमरे में चली गई। रात में वह फंदे से झूल गई। जिससे उसकी मौत हो गई। मेजा थाने के इंस्पेक्टर दीनदयाल सिंह ने बताया कि विवाहिता के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि पीएम रिपोर्ट आने पर मौत की वजह स्पष्ट हो पाएगी। हालांकि, जांच-पड़ताल की जा रही है।

अबीर-गुलाल और आकर्षक पिचकारी से बाजार गुलजार

प्रयागराज। स्थानीय बाजारों में होली को लेकर मंगलवार को चहल-पहल देखने को मिली। बाजार रंग-बिरंगे गुलाल, अबीर और आकर्षक पिचकारियों से गुलजार हो गए हैं। बच्चों के लिए कार्टून आकार की पिचकारियां और टैंक वाली बड़ी पिचकारियों की विशेष मांग है। स्थानीय दुकानदार रामबाबू केसरवानी व सुनील कुमार केसरवानी कहना है कि इस बार बिक्री अच्छी होने के आसार हैं। महिलाएं होली पर गुझिया, आकर्षण पकवान बनाने की खरीदारी करती नजर आ रही हैं। होली को लेकर मिठाई की दुकानों पर भी खासा उत्साह देखा जा रहा है।

खराब डंपर से छह घंटे तक लगा जाम, राहगीर परेशान

प्रयागराज। बीपी प्रतापपुर मार्ग पर मंगलवार सुबह बालू लदा डंपर सड़क पर खराब होने से लंबा जाम लग गया। सुबह करीब आठ बजे वाहन पीछे करते समय डंपर का क्लच प्लेट जल गया और वाहन बीच सड़क पर ही बंद हो गया। देखते ही देखते दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। स्कूली वाहन व दैनिक यात्री घंटों फंसे रहे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद करीब छह घंटे में डंपर हटवाया। इसके बाद यातायात सामान्य हो सका।

तीन दिन से बरईपुर और कचहना की बिजली आपूर्ति ठप

प्रयागराज। गांव में लगे ट्रांसफॉर्मर का तेल चोरी होने के बाद बरईपुर और कचहना की बिजली आपूर्ति तीन दिन से ठप है। इससे गांव में अंधेरा है। बता दें कि बरईपुर और कचहना की बिजली आपूर्ति उपकेंद्र शृंग्वेरपुर धाम से होती है। गांव के मुकेश, कबीर और रवींद्र कुमार ने बताया कि गांव में 100 केवीए के ट्रांसफॉर्मर से तेल चोरी हो गया है, इससे बीते रविवार से ही गांव में बिजली आपूर्ति ठप है। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारी केवल आश्वासन दे रहे हैं। इस संबंध में उप खंड अधिकारी जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि ट्रांसफॉर्मर से तेल चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई गई। जल्द ही बिजली आपूर्ति बहाल करा दी जाएगी।

महरुपुर से मदारीपुर जाने वाला संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त

प्रयागराज। क्षेत्र के महरुपुर हाईवे से बारी भीट होते हुए मदारीपुर जाने वाला संपर्क मार्ग जगह-जगह गड्ढों में तब्दील होकर क्षतिग्रस्त हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की मरम्मत के लिए कई बार जनप्रतिनिधियों से कहा गया, लेकिन इस ओर किसी का ध्यान नहीं गया। इससे राहगीरों एवं स्कूली बच्चों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। गांव निवासी हरिश्चंद्र, डॉ. अनवर, संजय सिंह और विनय सिंह आदि ने बताया कि उक्त सड़क की एक वर्ष पहले मरम्मत हुई थी। इसके बाद फिर सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। करमा रोड पर गौहनिया चौराहे से राजापुर के बीच जगह-जगह सड़क पर गड्ढे होने से राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गड्ढे में गिरकर लोग चोटिल हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने शीघ्र सड़क के मरम्मत कराने की मांग की है। पूरे रघई गांव से सराय ममरेज तक जाने वाला मार्ग बदहाल है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। ऐसे में इस सड़क से गुजरने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि पूरे रघई गांव से पूरे लुटई साथार डीह होते हुए सरायममरेज तक जाने के लिए यही एक मात्र मुख्य मार्ग है, जो गड्ढों में तब्दील हो गई है। गांव के जंग बहादुर, शिवसागर यादव, सभाजीत पटेल और अवधेश कुमार सरोज ने सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।

उप निबंधन कार्यालय में शौचालय नहीं होने से लोग परेशान

प्रयागराज। उप निबंधन कार्यालय में शौचालय की व्यवस्था न होने से लोग परेशान हैं। कई बार की गई शिकायत के बाद भी शौचालय की व्यवस्था नहीं की गई। अधिवक्ता विष्णु सिंह ने बताया कि कार्यालय में जमीन संबंधी रजिस्ट्री के लिए रोजाना लोगों का आना-जाना रहता है लेकिन अभी तक शौचालय का निर्माण नहीं किया गया।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में विशेष व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज। प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज प्रयागराज आज दिनांक 25– 02–2026को प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग विभाग के बौद्धिक उन्नयन प्रकोष्ठ द्वारा शैव धर्म एवं उसकी विभिन्न शाखाएं विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन कराया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. राकेश कुमार पूर्व विभागाध्यक्ष एवं पूर्व उप प्राचार्य प्राचीन इतिहास विभाग सी.एम.पी.डिग्री कॉलेज रहे आदरणीय सर ने

अपने उद्‌बोधन में शिव और विभिन्न संप्रदायों का उल्लेख किया तथा उसमें प्वैज्ञानिक आयाम को जोड़ते हुए क्वांटम फिजिक्स और शिव की विभिन्न मुद्राओं के मध्य सामने को उदित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की उप प्राचार्या प्रो. नीता सिंहा, अर्थशास्त्र विभाग से प्रो. राजेंद्र श्रीवास्तव, हिंदी विभाग की समन्वयक प्रो. सरोज सिंह , प्रो. आभा त्रिपाठी, अंग्रेजी विभाग के समन्वयक प्रो. रजत श्रीवास्तव मध्यकालीन इतिहास विभाग से डॉ. नीरज कुमार सिंह एवं विभागीय शिक्षकगण प्रो.अर्चना खरे, प्रो. भावना चौहान, डॉ.शशांक शेखर रॉय डॉ.कमल कृष्ण राय डॉ. आलोक कुमार सिंह डॉ.मयंक विश्वकर्मा डॉ.अपर्णा मिश्रा डॉ.अनंत कुमार श्रीवास्तव डॉ.आराधना सिंह तथा बड़ी संख्या में विभाग के शोध छात्र छात्राएं एवं परास्नातक के छात्र छात्राएं शामिल रहे इस अवसर पर अतिथि परिचय डॉ.मयंक विश्वकर्मा ने कराया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ.आलोक कुमार सिंह ने दिया।

प्रभु बुद्धि दे! छापा डलवाने वाला संवेदनहीन

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में बीएसपी विधायक उमाशंकर सिंह के घर पर आयकर विभाग ने बड़ी छापेमारी की, जिससे राजनीति में हलचल मच गई है। इस छापे के बाद यूपी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने नाराजगी जताई और आयकर विभाग की कार्रवाई की आलोचना की। उन्होंने ट्वीट कर कहा, जिसने भी छापा डलवाया, वह संवेदनहीन है। प्रभु बुद्धि दे। मंत्री ने यह भी कहा कि कैंसर से पीड़ित उमाशंकर सिंह को भी आयकर विभाग ने नहीं छोड़ा, जो उनकी स्थिति को देखकर शर्मनाक है। उमाशंकर सिंह, जो कैंसर से पीड़ित हैं और दो ऑपरेशन करा चुके हैं, लखनऊ में अपने घर पर आइसोलेशन में रहते हैं। मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा, उमाशंकर मेरे समध ी हैं, और उन्हें इलाज के दौरान भी छापे का सामना करना पड़ा। डॉक्टर और नर्सों को उनके घर में आने–जाने से रोका गया, जो निंदनीय है। आयकर विभाग की इस छापेमारी को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है, और विपक्ष ने भी इस कदम पर सवाल उठाए हैं।

बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के घर पर इनकम टैक्स की रेड

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी के इकलौते विध ाायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ स्थित आवास पर आयकर विभाग ने छापेमारी की है। बुधवार सुबह गोमतीनगर स्थित उनके आवास और कार्यालय पर इनकम टैक्स की टीम ने दबिश दी।सूत्रों के अनुसार छापे में 50 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी और भारी फोर्स पहुंची।विधायक उमाशंकर सिंह बलिया की रसड़ा विधानसभा सीट से बसपा के टिकट पर 2022 में चुने गए थे।वर्तमान विध ाानसभा में पार्टी के एकमात्र विधायक है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: CEN-2025-6 — दिनांक: 24.02.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य (इंजी.)/निर्माण-1/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 25.03.2026 के समय 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदाओं का विवरण इस प्रकार है।

निविदा नं.: CEN-2025-06, **कार्य का विवरण:** स्टेशन भवन का निर्माण, सेवा भवनों का निर्माण, नए प्लेटफॉर्म का निर्माण, विद्यमान प्लेटफॉर्म का चौड़ीकरण एवं/अथवा विस्तार, प्लेटफॉर्म शेल्टर, यात्री सुविधाएं, फुट ओवर ब्रिज (FOB) तथा अन्य विविध कार्य मेजा रोड रेलवे स्टेशन, पहाड़ा रेलवे स्टेशन एवं इरादतगंज रेलवे स्टेशन पर तथा विन्ध्याचल-चुनार के मध्य आरआरआई भवन एवं पं. दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज के मध्य अन्य सेवा भवनों का निर्माण, प्रयागराज मंडल के पं. दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज तृतीय लाइन परियोजना के अंतर्गत कार्य।

अनुमानित मूल्य (₹): ₹ 27.03 करोड़	बोली प्रतिभूति (₹): ₹ 15,01,500.00
कार्य समापन की अवधि: 12 माह	निविदा का प्रकार: ओपेन टेण्डर (दो पैकेट प्रणाली)
निविदा बंद करने की तिथि और समय: 25.03.2026, 15:00 बजे	
निविदा खुलने की तिथि : 25.03.2026, 15:30 बजे	

नोट: (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे तक निविदा भरने की तिथि दिनांक 25.03.2026 तक उपलब्ध है। (2) उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) बोली प्रतिभूति या तो ई-भुगतान गेटवे के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में प्रस्तुत की जाएगी। या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है। बैंक गारंटी बांड निविदा दस्तावेज में दिये गये अनुलग्नक-बीजाईड के अनुसार होगा और बोली वैधता अवधि से परे 90 दिनों की अवधि के लिये वैध होगा। (4) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (5) निविदा की राशि 10 करोड़ से अधिक होने पर संयुक्त उद्यम (जे.वी.)/Consortiums/MOUs पर विचार किया जायेगा। (6) संलग्न किये जाने सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। (7) सभी निविदाओं हेतु निविदाकार अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। (8) निविदा दस्तावेज में उल्लिखित योग्यता/मानदण्डों को पूरा करने के दावे के समर्थन में अपलोड किये गये दस्तावेजों/प्रमाण-पत्रों की प्रतिलिपि की पृष्ठ को टेण्डर फर्म के निविदाकार या अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्वयं प्रमाणित/डिजिटल हस्ताक्षरित किया जायेगा। स्वयं प्रमाणन में हस्ताक्षर, मोहर और तारीख (प्रत्येक पृष्ठ पर) अंकित होनी चाहिये। केवल वे दस्तावेज जिन्हें निविदाकार द्वारा स्पष्ट रूप से घोषित किया गया है कि निर्धारित पात्रता मानदण्डों की अर्हता प्राप्त करने के दावे का समर्थन करने वाले दस्तावेज को ही उनकी निविदा का मूल्यांकन करने के लिये विचार किया जायेगा। निविदाकार द्वारा दी गयी किसी भी गलत जानकारी के मामले में अनुबन्ध समाप्त कर दिया जायेगा एवं बोली प्रतिभूति, परफारमेंस गारन्टी और सिक्योरिटी डिपाजिट जब्त कर ली जायेगी और भारतीय रेलवे में एजेंसी पर 5 (पाँच) वर्ष तक कोई भी व्यवसाय करने पर प्रतिबन्ध लगा दिया जायेगा। (9) सरकारी अधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी जी.एस.टी. अधिनियम और सरकार/सम्बन्धित प्राधिकरण द्वारा समय समय पर जारी किये गये नियम लागू होंगे। (10) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (11) निविदा आनलाइन दिनांक 25.03.2026 को समय 15:00 बजे तक सबमिट किया जा सकता है तथा निविदा 15:30 बजे दिनांक 25.03.2026 खोली जायेगी। 438/26 (MG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

‘संकल्पों के दीप’ और ‘उजालों के बदलते रंग’ का साहित्य साधक मंच पर लोकार्पण हुआ, गोष्ठी में काव्य के रंगों में डूबकर श्रोता मंत्रमुग्ध हुए

शहर समता बेंगलुरु

बैंगलोर की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था साहित्य साधक मंच का 223 वां मासिक सारस्वत कार्यक्रम जेपी नगर स्थित लायंस क्लब के सभागार में गोवा के प्रसिद्ध गीतकार श्री कृष्ण शर्मा अशेष की अध्यक्षता एवं मराठी, गुजराती और हिंदी की लेखिका दिपाली महेश वझे के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। साहित्यकार डॉ रामगोपाल भारतीय, प्रवल प्रताप सिंह राणा, दर्शन बेज़ार, उर्मिला श्रीवास्तव उर्मि एवं डॉ रजनी शाह विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित रहे, सभी मंचासीन अतिथियों का स्वागत शॉल व पुष्पगुच्छ से किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ पद्मा श्रीनिवासन वसुधा द्वारा प्रस्तुत मां शारदे की वंदना से हुआ। कार्यक्रम के लोकार्पण सत्र में वरिष्ठ साहित्यकार उर्मिला श्रीवास्तव उर्मि द्वारा रचित सजल संग्रह षसंकल्पों के दीपष और डॉ रजनी शाह द्वारा विरचित कविता संग्रह ष्उजालों के बदलते रंगश का लोकार्पण मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। लोकार्पण से पूर्व मंजू वेंकट ने उर्मिला श्रीवास्तव का परिचय दिया और डॉ रामगोपाल भारतीय ने पुस्तक संकल्पों के दीप की समीक्षा की। इसी क्रम में मंजू वेंकट ने डॉ रजनी शाह की पुस्तक उजालों के बदलते रंग की समीक्षा प्रस्तुत की। मंच द्वारा दोनों साहित्यकारों का सम्मान किया गया। उर्मिला

श्रीवास्तव और रजनी शाह ने मंच के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उपस्थित साहित्य प्रेमियों को धन्यवाद प्रेषित किया। इस अवसर पर एक सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें, गीत, ग़ज़ल और कविताओं के चटकीले रंगों में डूबकर श्रोताओं का मन फागुन फागुन हो गया। काव्य गोष्ठी में श्री कृष्ण शर्मा अशेष, दिपाली वझे, डा रामगोपाल भारतीय, दर्शन बेज़ार, प्रवल प्रताप सिंह राणा, उर्मिला श्रीवास्तव उर्मि, डॉ रजनी शाह, अरुणा राणा, मंजू वेंकट, वरुण दीक्षित, कावूरी नागलक्ष्मी, ज्ञानचंद मर्मज्ञ, प्रभात रंजन, डॉ पूनम सिन्हा, पद्मा श्रीनिवासन वसुधा, मृदुला सिंह, सुशील कुमार, उदय प्रताप सिंह, उमा नाग, सुधा दीक्षित, सूबेदार राम स्वरुप कुशवाह, गीता चौबे गूंज, प्रतीक्षा तिवारी, आचार्य विनीता लवानिया, ईश्वर चंद मिश्रा, रघुवीर अग्रवाल, सुरेंदर कोहली सूरी, गिरिजा कुलश्रेष्ठ, भूपेंद्र सिंह कटाक्ष, डॉ साकेत प्रवीर, उषा उमेश गुप्ता, राधेश्याम यादव सुदर्शन, पूनम बेलनी, स्वीटी सिंघल, मधु माहेश्वरी, नयना जैन और पहाड़ सिंह ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का संचालन मंच के अध्यक्ष ज्ञानचंद मर्मज्ञ और लोकार्पण सत्र का संचालन प्रतीक्षा दिनेश तिवारी ने किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में काव्य प्रेमी उपस्थित थे, इस अवसर पर स्वादिष्ट स्वल्पाहार की व्यवस्था अरूणा राणा जी के सौजन्य से उनके बेटे विंग कमांडर डॉ गौरव जी राणा के प्रमोशन की खुशी में किया गया।

एमसीएफ द्वारा सीआईआई एवं उद्योग प्रतिनिधियों के साथ वेंडर डेवलपमेंट बैठक का आयोजन

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली में दिनांक 25.02.2026 को आपूर्तिकर्ता विकास को प्रोत्साहित करने एवं उद्योग

सहभागिता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के प्रतिनिधियों एवं विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों के साथ महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा ने बैठक आयोजित की। बैठक के दौरान महाप्रबंधक महोदय ने एमसीएफ में संचालित प्रमुख गतिविधियों एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। साथ ही फोर्ज व्हील प्लांट के प्रदर्शन एवं प्रमुख माइलस्टोन पर प्रकाश डाला गया। उन चिन्हित मदों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिनमें वेंडर आधार को विस्तारित एवं विविधीकृत करने की पर्याप्त संभावनाएँ उपलब्ध हैं, जिससे उद्योगों के लिए सहभागिता के नए अवसर सृजित हो सकें।

महाप्रबंधक/एमसीएफ ने सीआईआई (उत्तर प्रदेश) के निदेशक एवं हेड यूपी स्टेट, आलोक शुक्ला के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। बैठक में विभिन्न उद्योगों से आए 19 प्रतिनिधियों सहित सीआईआई के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर एमसीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों में सीएओ/एफडब्ल्यूपी रवीश कुमार, सीएमएम एस. के. झा, सीएमएम आर. के. सिंह, सीएमएम के. के. कन्नौजिया, सीएमएम, कामेश्वर पासवान सीएमएम राजेश सिंह, सीडीई कुलदीप सिंह, सीडब्ल्यूई/एफडब्ल्यूपी मनोज शुक्ला, डीवाईसीएमएम आशीष चौधरी, सहित सीआईआई एवं विभिन्न उद्योगों से निम्नलिखित प्रतिनिधि उपस्थित रहे–योगेश अरोड़ा सीनियर मैनेजर, ए.जी. इंडस्ट्रीज प्रा. लि., सोम आशुतोष महाप्रबंधक एकेजीईसी स्किल्स फाउंडेशन, सोहिल वोहरा सीनियर मैनेजर (मार्केटिंग) एलिकॉन कास्टालॉय लिमिटेड, हर्षवर्धन गुने हेड स्ट्रैटेजिक बिज़नेस डेवलपमेंट एलिकॉन कास्टालॉय लिमिटेड, आलोक शुक्ला निदेशक एवं हेड यूपी स्टेट सीआईआई, शशांक श्रीवास्तव एग्जीक्यूटिव ऑफिसर सीआईआई, अभिजीत कुलकर्णी महाप्रबंधक डिजाइनटेक सिस्टम्स प्रा. लि, गिरीश राव, मैनेजिंग डायरेक्टर एशिया जीईबीए केबल्स एंड वायर्स इंडिया प्रा. लि., संजीव कुमार संस्थापक हिंदुस्तान सोलरटेक प्रा. लि., आकाश श्रीवास्तव सह–संस्थापक हिंदुस्तान सोलरटेक प्रा. लि., गौरव कुमार पार्टनर यूटिलिटी सेल्स हिंदुस्तान सोलरटेक प्रा. लि., विशाल मैडरलावर मैनेजर जयश्री पॉलिमर्स प्रा. लि., प्रमोद कांची उपाध्यक्ष मैकटेक इंजीनियरिंग, विष्णु प्रसाद मैनेजर बिज़नेस डेवलपमेंट मैकटेक इंजीनियरिंग, तैयब ज़िया अहमद संस्थापक एवं निदेशक एमटेकप्रो टेक्नोलॉजीज, शौनक चौधरी, टेक्निकल मैनेजर सेल्स एमटेकप्रो टेक्नोलॉजीज, मान कपूर निदेशक एसवीई108, शिवकुमार टी. महाप्रबंधक यूएनओ मिंडा लिमिटेड।

दिव्यांगों को प्रदान किये गए जरूरी उपकरण

पिठापुरम। चेन्नई स्कूल ऑफ़ सोशल वर्क, सोशल वर्क डिसेबिलिटी एंड एम्पावरमेंट डिपार्टमेंट (तमिलनाडु) ने डॉ. अंबेडकर एजुकेशनल एंड डेवलपमेंट ट्रस्ट और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में पिछले दिनों चेन्नई स्कूल ऑफ़ सोशल वर्क में दिव्यांगों की मदद के उपकरणों को बांटने के लिए एक प्रोग्राम रखा। इस कार्यक्रम में चेन्नई स्कूल ऑफ़ सोशल वर्क के प्रिंसिपल डॉ. एस. राजा सैमुअल; डीन डॉ. आर. सुभाषिनी; चेयरमैन श्री के.ए. मैथ्यू भाप्रसे (सेवानिवृत्त), वाइस चेयरमैन श्री मुथुकुमार थानू; सेक्रेटरी डॉ. नटराज भापुसे (सेवानिवृत्त), कोषाध्यक्ष श्री जॉन ज़कारिया; और सोशल वर्क डिपार्टमेंट के हेड डॉ. ए. एनोच,डॉ. कोल्ली राजू असिस्टेंट डायरेक्टर आरटीडी सीसीआर एच, आयुष मंत्रालय, एमएएएएसएस के प्रेसिडेंट, आईआईएचपी तमिलनाडु और चेन्नई के प्रेसिडेंट शामिल हुए। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी के अधिकारियों, तमिलनाडु डॉ. अंबेडकर एजुकेशनल एंड डेवलपमेंट ट्रस्ट के चेयरमैन श्री इलांगोवन;श्री एस. सावरिमुथु शामिल हुए। चेन्नई स्कूल ऑफ़ सोशल वर्क के सोशल वर्क डिसेबिलिटी एंड एम्पावरमेंट डिपार्टमेंट की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. टी. कविता ने कार्यक्रम का संयोजन किया। इस कार्यक्रम से 150 से ज़्यादा दिव्यांगों को फायदा हुआ। इसमें शामिल ऑर्गनाइज़ेशन ने सोशल वेलफेयर और ह्यूमन सर्विस जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

बाप की हत्या का आरोपी बोला, सॉरी गलती हो गई

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में पैथोलॉजी मालिक मानवेंद्र सिंह का हत्या के 6वें दिन अंतिम संस्कार कर दिया गया। बुधवार की सुबह भैंसाकुंड घाट बैकुंठ धाम पर उन्हें छोटे भाई दरोगा अरविंद सिंह के बेटे कृत्य सिंह ने मुखाग्नि दी। पीएम हाउस से पन्नी में बंधी डेडबॉडी आई, उसका उसी तरह अंतिम संस्कार कर दिया गया। मृतक के पिता सुरेंद्र पाल सिंह चलने–फिरने में असमर्थ हैं जिस वजह से श्मशान घाट नहीं गए। अंतिम संस्कार के दौरान मृतक मानवेंद्र की डेडबॉडी से कवर नहीं हटाया गया। ऊपर से ही शव को नहलाया गया, रिश्तेदारों ने लकड़ियां रखीं। उसके बाद भतीजे कृत्य ने अग्नि लेकर चिता के चारों तरफ घूमते ही दाह संस्कार कर दिया।

रंगो का त्योहार

(छप्पय)

दिन में खिलती धूप शाम रंगीन सुहानी।
करें तितलियाँ नृत्य फूल की बन दीवानी।
रंगो का त्यौहार उतर उपवन में आया।
वासंतिक उन्माद देख हर मन हर्षाया।
प्रेम मिलन संगीत है हर बंधन में प्रीत है।
मौन मुखर जीवन सरल नवजीवन नव गीत है।।

ख्वाब करें साकार बोलकर शब्द लुभावन।
सतरंगी त्यौहार रँग रहा हर इक आँगन।
मस्ती में हैं चाँद सितारे पगलाए हैं।
हरियाली की छाँव ठाँव फिर ले आए हैं।
बहकी–बहकी है हवा फागुन रंगबहार है।
अंतस में खुशबू भरे कहता सबको यार है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

लखनऊ में अभिनव भारत पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन आज, तैयारियां पूरी

लखनऊ, संवाददाता। क्रांतिकारी वीर विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि के अवसर पर कल 26 फरवरी को प्लूटो हॉल, इन्दिरागांधी प्रतिष्ठान में होने जा रहे अभिनव भारत पार्टी के द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेशन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी है। अधिवेशन में शामिल होने के लिये मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री रहे कम्प्यूटर बाबा, साधू–संतों सहित देश के विभिन्न राज्यों से कार्यकर्ताओं का देर रात तक पहुंचना जारी रहा। पार्टी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राष्ट्रीय अध्यक्ष की अधिकारिक घोषणा के साथ उत्तर प्रदेश के आगामी चुनाव और भावी रणनीति को लेकर चर्चा की जायेगी। पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव ममता झा ने आज यहां जारी विज्ञप्ति में अधिवेशन की जानकारी देते हुये बताया अध ािवेशन की तैयारियां पूरे उत्साह और व्यापक स्तर पर पूरी कर ली गयी हैं। देश के विभिन्न राज्यों से पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा अनेक प्रमुख संत–महात्माओं की गरिमामयी उपस्थिति की संभावना है। ममता झा ने कहा कि वीर सावरकर के विचारों ”राजनीति का हिन्दूकरण और हिन्दुओं का सैनिकीकरण” की वैचारिक पृष्ठभूमि पर गठित अभिनव भारत पार्टी स्वयं को चिंतन, आंदोलन और क्रांति की धारा से प्रेरित राजनीतिक संगठन मानती है। उन्होंने बताया कि वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष चेतन शर्मा के नेतृत्व में पार्टी राष्ट्रवाद और सावरकर के विचारों को आधार बनाकर भारतीय राजनीति में सक्रिय भूमिका निभा रही है। अध ािवेशन में संगठन विस्तार, राष्ट्रीय मुद्दों पर प्रस्ताव तथा आगामी रणनीतियों पर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने की संभावना है।

लाल बारादरी का फेंसिंग वर्क ठप, विश्वविद्यालय में भारी पुलिस बल तैनात

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय एलयू में 3 दिन तक चले बवाल और घमासान के बाद आज बुधवार को माहौल शांत दिखा। हालांकि, ऐहतियात के तौर पर मौके पर भारी पुलिस फोर्स की तैनाती रही। लाल बारादरी परिसर में बैरिकेडिंग लगाकर सभी की एंट्री भी बैन रही। प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्य भी हालात का जायजा लेते नजर आए। दूसरी तरफ, विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से बावल में शामिल छात्रों के खिलाफ जांच भी शुरू करने की बात कही गई। रविवार दोपहर से ही लाल बारादरी को लेकर कैंपस का माहौल बिगड़ नजर आया। इस बीच सोमवार और मंगलवार को कैंपस में विरोध और प्रदर्शन चरम पर रहा। कई छात्रों को पुलिस ने हिरासत में लिया जिन्हें बाद में छोड़ा गया। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से साथ छात्रों को नोटिस जारी की गई। 6 पूर्व छात्रों को कैंपस में एंट्री बैन की गई है। वह लखनऊ पुलिस की तरफ से रविवार को फेंसिंग के विरोध में प्रदर्शन करने वाले 13 लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की गईं।

होली विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए होली विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या 09803/09804 सोगरिया-दानापुर-सोगरिया साप्ताहिक होली एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी

09803 सोगरिया-दानापुर एक्स. विशेष			09804 दानापुर-सोगरिया एक्स. विशेष	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
रवि.	23:10	सोगरिया	01:10	बुध.
13:00	13:02	मानिकपुर	12:18	12:20
14:50	14:55	प्रयागराज छिवकी	09:05	09:10
16:48	16:50	मिर्जापुर	06:30	06:32
23:45	सोम.	दानापुर	मंगल.	01:15

सोगरिया से: गाड़ी संख्या 09803, रविवार, दिनांक 01.03.2026, दानापुर से: गाड़ी संख्या 09804, मंगलवार, दिनांक 03.03.2026, गाड़ी संरचना: सामान्य श्रेणी-08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-03, स्लीपर श्रेणी-04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-02

नोट: ट्रेन की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 442/26 (ADM)

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या: 26/05 — दिनांक: 24.02.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001: 2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	38253086	हॉरिजॉन्टल वियर लाइनर	7405 नग	10.03.2026
2	38251880	ब्रेक बीम फॉर कास्ट स्टील बोगी	580 नग	13.03.2026
3	38251879	डिस्ट्रीब्यूटर वाल्व कम्पलीट	276 नग	17.03.2026
4	20256025	शंटिंग कॉन्टैक्टर (ईपी) फॉर इलेक्ट्रिक लोकोज	300 नग	13.03.2026
5	64255263A	ऑयल प्रेशर सेंसर	563.00 Nos.	19-MAR-26
6	60256033	फटिग्यू टेस्टिंग मशीन	1 नग	06.04.2026
7	38253228	बॉडी साइड स्टैंचियन	1848 नग	13.03.2026
8	6326RGC02	दिस इज टेंडर टू इंटर इन्टू रनिंग कान्ट्रैक्ट फॉर मैनुफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ थिक वेब एसईजी (कॉम्पलीट सेट) विथ फिटिंग फॉर बिजी 60 केजी यूआईसी ऑन पीएससी स्लीपर्स आरडीएसओ ड्राइंग नं0. टी-8822.	1250.00 Set.	09-MAR-26
9	6326RGC01	दिस इज टेंडर टू इंटर इन्टू रनिंग कान्ट्रैक्ट फॉर मैनुफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ वेरियस टाइप्स ऑफ एब्सूलिडमल क्रासिंग विथ डिफरेन्ट ड्राइंग नं0. टी-6412 एंड टी-6441.	3327.00 Set.	16-MAR-26
10	6326RGC03	दिस इज टेंडर टू इंटर इन्टू रनिंग कान्ट्रैक्ट फॉर मैनुफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ वेरियस टाइप्स ऑफ थिक वेब स्विचेस विथ डिफरेन्ट ड्राइंग नं0. टी-8780 एंड टी-8775.	1186.00 Set.	23-MAR-26

नोट: उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव / शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाइट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र / परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 426/26 (ADM)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

सम्पादकीय.......

निजी अस्पताल, यानी जेबें खाली करने के संस्थान

कुछ साल पहले गुडगांव से एक लड़की ने लिखा था कि अपने पति को बुखार के इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां रात भर उसके पति के तरह–तरह के टैस्ट चलते रहे। दो दिन बाद छुट्टी के वक्त 10 लाख रुपए का बिल पकड़ा दिया गया। एक दूसरे लड़के ने अपनी मां के बारे में एक दुखद घटना लिखी थी। उसने बताया कि मां को पेट में दर्द हुआ। अस्पताल में बताया गया कि मां के गाल ब्लैडर में पथरी है। उनका इलाज होता रहा लेकिन तबियत बिगड़ती गई। उसने मां को कहीं और ले जाने की बात की, लेकिन डराया गया कि कहीं रास्ते में ही कुछ न हो जाए। कहा गया कि तबियत जैसे ही सुधरेगी, पथरी का आप्रेशन किया जाएगा। लेकिन तबियत नहीं सुधरी, और अंत में मां की मृत्यु हो गई। तब लड़का मां के पोस्टमार्टम पर अड़ गया। पोस्टमार्टम में जो दिल दहला देने वाली बात सामने आई, वह यह थी कि उसकी मां को पथरी थी ही नहीं। बहुत से निजी अस्पतालों में जब से मार्कीटिंग नामक विभाग का प्रवेश हुआ है, तब से डाक्टरों को टारगेट्स दिए जाने लगे हैं। टारगेट का मतलब ही यही है कि उन्हें कितना पैसा कमाकर अस्पताल को देना है। ऐसे में डाक्टर अधिक से अधिक दवाएं लिखते हैं, जिन टैस्टों की जरूरत नहीं होती, वे भी कराए जाते हैं। हाल ही में संसदीय कमेटी की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत में 40 प्रतिशत से अधिक ऐसे आप्रेशन किए जाते हैं, जिनकी कोई जरूरत ही नहीं होती। भारत में लोग डाक्टरों को देवता के रूप में देखते हैं। जो उन्होंने कह दिया, वही ठीक है। आम आदमी को मालूम ही नहीं होता कि जिस मरीज को वह अस्पताल में ठीक कराने के लिए लाया है, वह अस्पताल के लिए मुनाफा कमाने की मशीन है। इसके अलावा जिन लोगों के पास मैडिक्लेम होता है, उसके अनुसार जितनी राशि मरीज को दी जा सकती है, जब तक उसे पूरी तरह न वसूल लिया जाए, मरीज को नहीं छोड़ा जाता। मैडिक्लेम कम्पनियां इस बारे में सरकार से शिकायत भी कर चुकी हैं। हाल ही में राज्यसभा की सदस्य स्वाति मालीवाल ने इस मसले को उठाया था। उन्होंने कहा कि बहुत से अस्पतालों के बैड के चार्जेज फाइव स्टार होटलों से भी ज्यादा हैं। मरीज से पूछा जाता है कि क्या उसके पास स्वास्थ्य बीमा यानी कि मैडिक्लेम है और हां कहते ही फौरन बिल का मीटर चालू हो जाता है। मरीजों को वे दवाएं भी दे दी जाती हैं, जिनकी उन्हें जरूरत ही नहीं होती। इसके अलावा बहुत सी वे दवाएं होती हैं जो सिर्फ अस्पतालों की दुकानों या किसी विशेष दुकान पर ही मिलती हैं। जो मरीज 5 दिन में ठीक हो सकते हैं, उन्हें 10–15 दिन अस्पताल में रखा जाता है। स्वाति ने जो सवाल उठाए हैं, वे अर्से से महसूस किए जा रहे हैं लेकिन मजाल है कि तमाम मामलों पर हर रोज आंदोलन करने वाले इन बातों पर कभी बोलते हों। यह भी है कि मरीज की मृत्यु के बाद भी, उसे वहां कई–कई दिन तक रखा जाता है। मृत्यु के बाद आप्रेशन का बहाना बनाकर आप्रेशन की मोटी फीस ली जाती है, फिर कह दिया जाता है कि आप्रेशन के दौरान मरीज की मृत्यु हो गई। पहले सोचते थे कि सरकारी अस्पतालों की जगह निजी अस्पतालों में इलाज ठीक होता है, मगर अब सोच उलटी हो गई है। लोग कहने लगे हैं कि सरकारी अस्पतालों में भीड़ बहुत होती है लेकिन वहां डाक्टरों के ऊपर टारगेट पूरा करने और नौकरी बचाने का कोई दबाव नहीं होता, इसलिए वे इलाज ठीक करते हैं। अपने इस इतने बड़े देश में कोई सरकार चाहे तो हर जिले में ऐसे सुविधाजनक अस्पताल खोल सकती है, जहां मरीज को ठीक–ठाक इलाज मिले। उसकी देखभाल करने वालों को भी कुछ सुविधाएं प्रदान की जाएं। क्योंकि मरीज के मुकाबले उसकी देखभाल करने वालों की मामूली सुविधाओं का ध्यान कहीं नहीं रखा जाता। यदि सरकारों को लगता है कि उनके पास इतनी राशि नहीं है, तो क्यों न ऐसा करके देखा जाए कि किसी जिले में अस्पताल बनवाने के लिए वहां रहने वाले हर व्यक्ति से 10 रुपए मांगे जाएं। उन्हें पूरी योजना की जानकारी दी जाए। सरकार इसके लिए जिला अधिकारी की निगरानी में एक अकाऊंट खोले। यकीन मानिए कि लोग बड़ी संख्या में आगे आएंगे। ऐसे धनाढ्य लोग जो 10 के मुकाबले लाखों भी दे सकते हैं, वे भी इसमें भागीदारी करेंगे। करके तो देखिए। लेकिन करे कौन और क्यों करे? जब तरह–तरह के फालतू और आग लगाऊ बयानों से ही दलों का काम चल जाता है, तो वे ऐसे काम क्यों करें, जहां वाकई कोई कठिन प्रयत्न करना हो। सोचा तो यह गया था कि प्राइवेट अस्पताल आएंगे, तो लोगों को अच्छा इलाज मिलेगा। उन्हें दर–दर भटकना नहीं पड़ेगा लेकिन हो यह रहा है कि एक इलाज कराने में ही मध्यवर्ग के लोगों की सारी बचत खत्म हो जाती है।

एआई यानि बदलनी होगी पढ़ाई

प्रेम शर्मा

आज के बदलते दौर में, विशेषकर एआई के उदय के बाद, पारंपरिक बीए, बीकॉम, बीएससी, थिएटर आर्ट्स, फैशन डिजाइनिंग, और पत्रकारिता जैसी कई डिग्रियां, जिनमें व्यावहारिक कौशल की कमी है, बेकार साबित हो सकती हैं। ये डिग्रियां केवल कागजी साबित होती हैं, अगर इसके साथ इंटर्नशिप या व्यावहारिक ज्ञान न हो। केवल सैद्धांतिक शिक्षा नौकरी नहीं दिलाती। कई पारंपरिक नौकरियां अब एआई द्वारा की जा रही हैं। वैसे भी इस दौर में कुछ विषय अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। वैसे भी वर्तमान समय में एक अनुमान के अनुसार प्रतिवर्ष लगभग भारत में 15 लाख स्कूल, 85 लाख से अधिक प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक और प्रतिवर्ष 26 करोड़ से अधिक छात्र स्कूल प्रणाली में दाखिला लेते हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में, प्रतिवर्ष 1000 से अधिक विश्वविद्यालयों और 42000 कॉलेजों में 4 करोड़ से अधिक छात्र दाखिला लेते हैं। हालांकि, भारतीय शिक्षा प्रणाली में निश्चित पाठ्यक्रम, पुरातन शिक्षा वितरण मॉडल और स्थिर परीक्षा अवधारणाएं हावी हैं। इससे शिक्षा और समकालीन कार्य कौशल के बीच एक गहरी खाई पैदा हो गई है। ऐसी स्थिति में यादि यदि डिग्री के साथ हुनर नहीं है तो वह सिर्फ एक कागज का टुकड़ा है। यही कारण है कि केवल डिग्री के सहारे रोजगार खोजने वाले लगभग कई करोड़ लोग आज भी बेरोजगारों की श्रेणी में खड़े है। हमारी शिक्षा प्रणाली का पाठ्यक्रम काफी पुराना हो चुका है और इस पर कई बार चर्चा हो चुकी है, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकल पाया है। मौजूदा पाठ्यक्रम की बात करें तो यह तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रहा है, और यही कारण है कि यह आज के बेहद उन्नत वैश्विक उद्योग के अनुरूप नहीं है। अधिकत्तर पाठ्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों का जिक्र ही नहीं होता, बल्कि वही पुरानी बातें दोहराई जाती हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान स्नातक होने के बाद दिखता है, जब आपके पास आधुनिक कंपनियों की जरूरत के कौशल नहीं होते। यही वजह है कि रोजगार दर अभी भी इतनी कम है जबकि कार्यबल अनुपात बढ़ रहा है। कक्षा में दी गई शिक्षा और व्यावहारिक क्रियान्वयन के बीच एक स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। अपने चुने हुए क्षेत्रों में, कई भारतीय स्नातक वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद को तैयार नहीं पाते हैं। जबकि तेजी से बदलती भू–राजनीतिक परिस्थितियों में दुनिया भर में अभी सबसे ज्यादा जोर आधुनिक तकनीकों के विकास और इस क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा नवाचार के प्रयोग पर दिया जा रहा है। सभी देश अपनी विकास नीतियों में अद्यतन तकनीकों को अपना रहे हैं और पारंपरिक तरीके से होने वाले बहुत सारे कामों का स्वरूप अब बदल रहा है। खासतौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यानी एआइ के फैलते दायरे ने वैश्विक स्तर पर कामकाज के तौर–तरीकों और उसमें इंसानी भूमिका पर व्यापक असर डाला है। एआई तकनीक के चलते अमरीका और चीन ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियॉ हासिल कर ली है। वर्तमान समय में तकनीक के मामले में जितनी तेज रफ्तार से नवाचार का प्रयोग हुआ है, सभी जरूरी क्षेत्रों में एआइ का दायरा फैला है, उसमें इस पर चर्चा जरूरी हो जाती है कि इसकी संभावनाओं और उम्मीदों के साथ–साथ इससे जुड़ी आशंकाओं पर भी विचार हो। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि विकास के किसी स्वरूप से अंतिम तौर पर आम लोग प्रभावित होते हैं और कोई भी तकनीक इसी कसौटी पर देखी जाएगी कि उससे मनुष्य का कितना समग्र हित सुनिश्चित हो सका और दुनिया की ज्यादातर आबादी के लिए वह कितनी उपयोगी साबित हुई।यह एक जगजाहिर तथ्य है कि दुनिया आज तकनीकी विकास के अगले चरण में प्रवेश कर चुकी है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता इसका एक सबसे अहम औजार बनने जा रही है। दिल्ली में आयोजित 'इंडिया–एआइ इम्पैक्ट समिट, 2026' में इस संदर्भ में जितने आयाम सामने आए, वे बताते हैं कि दुनिया भर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआइ केंद्रित बदलाव अब विकास की नई परिभाषा गढ़ने जा रहा है। इसमें भारत की एक अहम भूमिका होगी और खासतौर पर वैश्विक दक्षिण या विकासशील देशों में इसे नेतृत्वकारी भूमिका में देखा जा रहा है। एआइ का इस्तेमाल अब केवल सुरक्षा के मुद्दे तक केंद्रित नहीं रहा बल्कि आज विकास के क्षेत्र में समावेशी, पारदर्शी तथा जिम्मेदार सुशासन के तौर पर इसकी भूमिका का विस्तार हो रहा है। जहां तक दिल्ली में हुए एआइ सम्मेलन का सवाल है, इसमें स्वास्थ्य, कृषि, जलवायु परिवर्तन, शासन और आर्थिक विकास के मामले में खड़ी होने वाली बाधाओं का हल निकालने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग को आगे बढ़ाने की जमीन तैयार करने की कोशिश की गई। यानी सम्मेलन में एआइ के जरिए समग्र विकास के क्षेत्र में संभावनाओं की नई राह तलाशने की भूमिका बनी।पिछले कुछ वर्षों के दौरान तकनीक, चिकित्सा और अन्य उत्पादों के निर्माण तथा उपयोग में एआइ का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। विकास के लगभग सभी क्षेत्र में इसकी अहमियत जिस रूप में बनती देखी जा रही है, उसके मद्देनजर भारत ने भी अभी से प्रयास शुरू कर दिए हैं, फिलहाल इस क्षेत्र में चीन और अमेरिका की कंपनियों का वर्चस्व है। निश्चित तौर पर भारत जैसे विकासशील देशों के सामने यह एक बड़ी चुनौती होगी, लेकिन यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि किसी भी समस्या से पार तभी पाया जा सकता है, जब उसकी जटिलता को स्वीकार कर उसका सामना करने का विकल्प चुन लिया जाए। इस लिहाज से देखा जाए, तो भारत का यह रुख तकनीकी प्रतिस्पर्धा के मैदान में चुनौतियों का सामना करने की जमीन तैयार करता है कि देश एआइ से डरता नहीं है, बल्कि इसमें वैश्विक भलाई के लिए समृद्धि और भविष्य की संभावनाएं देखता है।इसमें कोई दोराय नहीं कि एआइ अब भविष्य की दुनिया का एक यथार्थ है और विकास की पटकथा तैयार करने में इसकी अहम भूमिका होने जा रही है। मगर इसके समांतर यह देखने की जरूरत होगी कि नए बनने वाले ढांचे में समाज के सभी वर्गों के हित को सुनिश्चित करने का उद्देश्य किस हद तक पूरा हो पाता है। इस संदर्भ में एआइ की बढ़ती भूमिका के दौर में बड़े पैमाने पर नौकरियों का दायरा सिकुड़ने और अवसर कम होने की जो आशंकाएं जताई जा रही हैं, उसका हल निकालना एक बड़ी चुनौती होगी। यही नही हम वर्तमान समय में जिस दौर से गुजर रहे है ।

(संस्मरण) दुआओं के दरख़्त

इस राह से गुज़रता हूँ तो लगभग दो – तीन किमी के दायरे में सड़क को दोनों ओर से सघन छाया और हरीतिमा अपने मुक्त हाथों से लुटा रहे घने दरख़्तों के लिए दुआ करता हूँ । इनके बीच से होकर गुज़रना दुआओं के दरमियाँ से गुज़रना होता है। दोनों ओर से हिलती–लहराती शाखें सकुशल आवागमन का आशीर्वाद सरीखी लगती हैं । ईश्वर करे दुआओं के इन दरख़्तों के हरेपन को कभी भी , किसी की भी नज़र न लगे!

नई जगह पर तैनाती हुए अभी कुछ ही दिन हुए थे । रास्ते , जगहें , लोग लगभग सभी से अनजान । हाँ ,मन में हमेशा की तरह यह विश्वास ज़रूर था कि 'सारा जहाँ हमारा।'

उस दिन घर से निकलकर पंद्रह – सोलह किलोमीटर की दूरी ही तय कर पाया था कि गाड़ी एकाएक बंद हो गयी ।समय लगभग आठ बजे ।दिसम्बर की सर्द सुबह ।दूर–दूर तक कोहरे की चादर तनी थी।रुककर देखा, अपनी सामान्य जानकारी भर चेक किया पर कुछ समझ न आया ।गाड़ी में पहले कभी ऐसी स्थिति आयी भी नहीं थी इसलिए यह अनुमान लगाना भी मुश्किल था कि हुआ क्या। स्टार्टिंग की तमाम कोशिशें बेनतीजा रहीं।

कोई उपाय न पाकर नज़दीक के चौराहे का रुख़ किया।चौराहे से बायपास निकलता है जिस पर नज़दीकी बस्ती के लोगों ने कुछ दूक़ानें बना ली हैं।सभी दूक़ानें अभी बंद थीं।एक सज्जन किसी काम से जाते मिले जिन्हें अपनी समस्या बताई।' एक मिस्त्री है तो लेकिन वह कार मैकेनिक नहीं है।मैं उसे बुला लाता हूँ शायद आपकी कुछ मदद कर पाए'– कहकर वह बस्ती के अंदर चले गए।

मैं गाड़ी बंद कर अंदर बैठ गया । कुछ ही देर में वह सज्जन एक व्यक्ति के साथ आते दिखे।उस व्यक्ति के हाथ में पेंचकस और प्लास देखकर मुझे तात्कालिक तौर पर बड़ी राहत मिली।

' मैं छोटा मोटा इलेक्ट्रिशियन का काम कर लेता हूँ साहब ! देखता हूँ आपकी गाड़ी में कोई वायरिंग प्रॉब्लम तो नहीं ' बोनट को उठाते हुए वह बोले।

वह वायरिंग चेक करते रहे और मैं दुआ कि समस्या जल्द दूर हो ।

'वायरिंग फ़ाल्ट तो नहीं दिख रहा साब ,पर मेरा मोटा अनुमान यह कह रहा है कि गाड़ी में पेट्रोल की सप्लाई में कहीं दिक़्क़त है '– थोड़ी देर चेकिंग के बाद वह सज्जन बोले।

' लेकिन पेट्रोल तो पर्याप्त है गाड़ी में' –मैं बोला ।

'वो बात नहीं साब , पेट्रोल की सप्लाई के किसी स्विच में समस्या है । '

' तब फिर समाधान क्या है?

' यह तो कोई कार मैकेनिक ही बता पाएगा । गाड़ी को खिंचवाकर ले जाना पड़ेगा । या तो बरेली या फिर नवाबगंज '–वह बोले।

मैं बरेली और नवाबगंज के बीच फँसा था। गाड़ी खिंचवाकर ले जाने के अलावा और कोई विकल्प न था।

' एक सूरत और है साब ! ' अचानक वह सज्जन बोले।

'हाँ – हाँ कहो '– मेरे चेहरे पर उम्मीद जगी ।

'एक गाड़ी चलाने वाला है।किराए पर गाड़ी चलाता है।इन लोगों के मिस्त्रियों से सम्पर्क रहते हैं ।शायद कुछ मदद मिले । मैं फ़ोन करता हूँ।'

उन सज्जन ने फ़ोन लगाया । थोड़ी ही देर में बाइक पर दो लड़के (उम्र लगभग बीस से पच्चीस वर्ष) आए और आकर मुझसे समस्या पूछी । वायरिंग के बारे में मिस्त्री से जानकारी ली । स्टेयरिंग के नीचे बने बॉक्स के कुछ स्विच चेक किए और आपस में कुछ बातें कीं ।

'आपकी गाड़ी डुओ है सर । आप इसे एलपीजी से नहीं चलाते क्या ? '

'इधर लगभग दो वर्ष से तो नहीं '– मैं बोला ।

'एक सम्भावना नज़र आ रही है।गाड़ी में अगर एलपीजी पड़ जाए तो शायद चल जाएगी' – उनमें से एक बोला ।

'पर एलपीजी की व्यवस्था यहाँ कैसे हो पाएगी '– मैं बोला

'वो हम अपने पास से कर देंगे,आप चिंता न करें ।'

'ठीक है तब '– कोई अन्य उपाय न दिखने की स्थिति में मैं बोला ।

'आते हैं अभी' ३.कहते हुए दोनों लड़के कोहरे में ओझल हो गए ।

कुछ ही देर बाद दोनों एक सिलेंडर व जुगाड़ नुमा मशीन के साथ उपस्थित थे । आते ही कार की बैटरी में मशीन को जोड़ा और सिलेंडर से कनेक्ट कर सिलेंडर को उलटा खड़ा कर गैस की आपूर्ति जारी कर दी।

थोड़ी देर बाद सिलेंडर को डिस्कनेक्ट कर एक दो स्विच की सामान्य चेकिंग की और गाड़ी को स्टार्ट किया।अप्रत्याशित रूप से गाड़ी स्टार्ट हो गयी।मैंने राहत की साँस ली और दोनों लड़कों , वायरिंग मिस्त्री व सबसे पहले मिले सज्जन का शुक्रिया अदा किया।

'समस्या में एक दूसरे की मदद करना तो हम लोगों का इंसानी फ़र्ज़ है साहब – वे बोले । आप हमारा नम्बर ले लीजिए । इसी रोड पर गाड़ी चलाने का काम करते हैं । कभी भी ज़रूरत हो तो याद कीजिएगा । हाँ , गाड़ी के स्विच एक बार बरेली में अपने मिस्त्री से चेक ज़रूर करा लीजिएगा क्यूँकि पेट्रोल पहुँचने में दिक़्क़त है कहीं ।बाक़ी हमारी समझ से समस्या की कोई बात नहीं है अब । आप आराम से दो–तीन सौ किलोमीटर की यात्रा कीजिए।'

मैंने उन सबका नम्बर लिया।अपना नम्बर और परिचय भी दिया ।

शाम को भोजन कर सोने जा रहा था कि उस लड़के का फ़ोन आया।इस समय फ़ोन किस लिए किया होगा ? यह सोचते हुए मैंने फ़ोन रिसीव किया ।

'सर नमस्कार ! कल आप ऑफ़िस से वापिस किस समय लौटेंगे '– उसका सवाल था।

'यही कोई चार – पाँच बजे के बीच'

'आज सुबह आप जहाँ मिले थे कल वापसी में वहीं मिलिएगा।हम चार बजे वहीं इंतज़ार करेंगे ।'

'ठीक है '– मैं बोला ।

अगली सुबह जब उस रास्ते से गुज़रा तो मन में यही सवाल था कि उस लड़के ने शाम को क्यूँ बुलाया होगा।यह सवाल शाम तक सवाल ही बना रहा।

शाम को उसी जगह दोनों लड़कों को बाइक , सिलेंडर और जुगाड़ मशीन के साथ खड़ा पाया।मैं कुछ समझ न पाया कि माजरा क्या है।

'नमस्कार सर! दोनों बोले। कोई दिक़्क़त तो नहीं आयी फिर?'

'नहीं कोई दिक़्क़त नहीं आयी ? आप दोनों ने सच में कल बहुत मदद की '– मैं बोला।

'कष्ट के लिए क्षमा चाहते हैं सर।कल सुबह जब गाड़ी में गैस डाली तो बहुत ठण्ड थी।गैस जम गई थी इसलिए पूरी नहीं जा पाई।हमने दिन भर सिलेंडर को धूप में रखा तो पाया कि अभी सिलेंडर में चार पाँच किलो गैस शेष बची है।इसीलिए आपको कष्ट दिया । दो मिनट लगेंगे अभी बाक़ी बची गैस भी गाड़ी में डाल देते हैं।'

यह सचमुच अप्रत्याशित था और सुखद आश्चर्यजनक भी।लड़कों ने बोनट खोला और कुछ ही देर में शेष गैस गाड़ी में डाल दी।

'तुम ऐसा नहीं भी तो कर सकते थे '– मैंने उनको टटोला।

'हम यह धंधा नहीं करते सर ! मेहनत मज़दूरी कर खाते – कमाते हैं। हाँ , किसी ज़रूरत मंद की जितना सम्भव होता है मदद की कोशिश ज़रूर करते हैं क्यूँकि जाने किस रूप में ऊपर वाला मिल जाए।हमारे बुजुर्गों ने नेक कमाई में ही बरकत बताई है।आपसे चार पाँच किलो गैस चुराकर हमारी ज़िंदगी नहीं कटनी थी । हाँ ,यह ज़रूर कि किसी ज़रूरतमंद के साथ बेइमानी के गुनाह की सज़ा ऊपर वाला कभी न कभी ज़रूर देता।'

गाड़ी का बोनट बंद हो चुका था । मेरे हाथ स्वतः उन युवकों के सर पर आशीर्वाद के लिए उठे जो बेशक कम उम्र थे लेकिन दुनिया और समाज के प्रति जिनका नज़रिया और फ़लसफ़ा बहुत बड़ा था।

लौटते समय ज़ेहन में निदा फ़ाज़ली साहब की ये पंक्तियाँ बराबर गूँज रही थीं – 'गुज़रो जो बाग़ से तो दुआ माँगते चलो

जिसमें खिले हैं फूल वो डाली हरी रहे'

–डॉ० अवनीश यादव
पी०ई०एस०
(प्रांतीय शिक्षा सेवा संवर्ग)
उत्तर प्रदेश

भाषाई अस्मिता का नव–जागरण: तकनीक, तर्क और मातृभाषा का संगम

जिसने निज गौरव–भाषा की, मर्यादा को बिसराया है,
इतिहास बताता है उसने, अपना अस्तित्व गँवाया है!

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारत जहाँ एक ओर आर्थिक और सामरिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है, वहीं दूसरी ओर एक वैचारिक युद्ध हमारे घर के भीतर, हमारी जिह्वा पर लड़ा जा रहा है। हाल ही में बीते 'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' ने हमें एक बार फिर आत्म–मंथन का अवसर दिया है। प्रश्न यह नहीं है कि हम कितनी भाषाएँ जानते हैं, प्रश्न यह है कि क्या हम अपनी जड़ों की भाषा, अपनी हिंदी को वह सम्मान दे पा रहे हैं जिसकी वह हकदार है?

आज का परिवेश तकनीक और बाजारवाद का है। यहाँ भाषा को केवल श्संपर्क सूत्रश माना जा रहा है, 'संस्कार सूत्र' नहीं। जब हम विकास की इस अंधी दौड़ में अपनी भाषा को पीछे छोड़ते हैं, तब रामधारी सिंह 'दिनकर' की ओजस्वी पंक्तियाँ वर्तमान पीढ़ी के आत्मसम्मान को झकझोरती हैं:

समर शेष है, नहीं पाप का भागी केवल व्याध है,
जो तटस्थ हैं, समय लिखेगा उनका भी अपराध है।
निज भाषा की उपेक्षा कर, जो मौन खड़े रह जाते हैं,
इतिहास के पन्नों में वे, कायर ही कहलाते हैं!

वर्तमान समय में हिंदी के सामने सबसे बड़ा संकट किसी बाहरी भाषा से नहीं, बल्कि शहिंग्लिशश की बढ़ती प्रवृत्ति से है। हिंग्लिश न तो पूरी तरह हिंदी है और न ही अंग्रेजी; यह एक ऐसी खिचड़ी भाषा है जो हमारी व्याकरणिक शुद्धता और भाषाई गरिमा को निगल रही है। विज्ञापन की दुनिया और सोशल मीडिया ने इसे एक श्कूलश ट्रेंड बना दिया है, जिससे हमारी मौलिक शब्दावली लुप्त होती जा रही है। हमें समझना होगा कि हिंग्लिश केवल संवाद की सुविधा नहीं, बल्कि हमारी भाषाई हीनभावना का प्रतीक है।

लेकिन हिंदी का स्वरूप केवल संघर्ष का नहीं है; इसमें वह कोमलता भी है, जिसे सुमित्रानंदन पंत जी ने अपनी लेखनी से अमर किया खुल गए छंद के बंध, आज भाषा ने अंगड़ाई ली,,

एक राष्ट्र के रूप में हमें यह अनुभव करना होगा कि आने वाली पीढ़ी का मौलिक विकास उसकी मातृभाषा के बिना अधूरा है। मातृभाषा केवल शब्दों का समूह नहीं, बल्कि संस्कारों की थाती है। सूर्यकांत त्रिपाठी शनिरालाश के शब्दों में इस भाषाई स्वाभिमान को यूँ समझा जा सकता हैरू

घ्बंध मुक्त हो भाषा की धारा, निर्झर सा वह बहने दे,
जो अंतर्मन की वाणी है, उसे गर्व से कहने दे।
माँ की ममता सी जो सरल, जन–जन की प्राण–अधारा है,
मत भूल ओ मानव तू इसे, यही तेरा संबल प्यारा है।ष

घ्केवल विचार करने से भाषा का अस्तित्व नहीं बचेगा, इसके लिए हमें अपने दैनिक जीवन में निम्नलिखित श्भाषाई संकल्पश लेने होंगे

घ्पारिवारिक संवादरू हम अपने घरों में बच्चों से अपनी मातृभाषा और हिंदी में ही बात करें।

घ्हस्ताक्षर का गौरवरू जहाँ भी संभव हो, अपने हस्ताक्षर देवनागरी लिपि में ही करें।

घ्डिजिटल माध्यमरू सोशल मीडिया और संदेशों (ॉंजे।चच) में रोमन के बजाय देवनागरी कीबोर्ड का प्रयोग करें।

घ्हिंग्लिश का त्यागरू शुद्ध शब्दों के प्रयोग का आग्रह रखें। श्सॉरीश और श्थैंक्यूश की जगह श्क्षमाश और श्धन्यवादश जैसे सहज शब्दों को पुनः चलन में लाएं।

घ्साहित्यिक जुड़ावरू नई पीढ़ी को उपहार में खिलौनों के स्थान पर हिंदी की ज्ञानवर्धक पुस्तकें भेंट करें।

घ्होली का त्योहार सन्निकट है। जैसे हम रंगों में मिलावट को नकारते हैं, वैसे ही भाषा में हिंग्लिश की मिलावट को नकारना होगा। 2047 के श्विकसित भारतश का स्वप्न तभी पूर्ण होगा जब भारत अपनी मौलिक भाषा में सोचेगा और बोलेगा। आइए, अपनी भाषा को अपने गौरव की पहचान बनाएं। क्योंकि जब हमारी भाषा सुरक्षित होगी, तभी भारत अपनी पूर्ण गरिमा के साथ विश्व पटल पर खड़ा हो पाएगा।

'डॉ. संगीता बनाफ़र
जिला अध्यक्ष बिलासपुर शहर समता विचार मंच प्रयागराज,
विश्व हिंदी परिषद् प्रदेश अध्यक्ष शैक्षिक प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़'

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

रखना सबको चाहिए, जीवन में कुछ आस।
नहीं भरोसा आजकल, कबतक चलेगी श्वास।।
कब तक चलेगी श्वास, रोग यह घेरे तन को।
जीना है बिंदास, स्वस्थ फिर रखना मन को।।
कहती रचना आज, स्वाद तो सारे चखना।
दुख - सुख रहते साथ, मगर धीरज भी रखना।।

मरकर भी मरता नहीं, जिसमें रहती आस।
नहीं भरोसा आजकल, रोगो के सब दास।।
रोगो के सब दास, सदा मन को समझाओ।
दुख - सुख सबके पास, दुखों से मत घबड़ाओ।।
करना रचना काम, भला क्यों जीना डरकर।
जीवित रहता कौन, छोड़ तन जाना मरकर।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

मैं उनसे अब कब मिलूंगी ?..धर्मेंद्र की याद में हर पल तड़पती हैं हेमा मालिनी, बाफ्टा में दिवंगत को श्रद्धांजलि मिलने पर हुईं भावुक

हिंदी सिनेमा के दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र 24 नवंबर 2025 को इस दुनिया को अलविदा कह गए थे। उनके निधन से उनके फैंस को बड़ा झटका लग था। वहीं, उनकी फैमिली अभी भी एक्टर को खोने के गम से बाहर नहीं आ पा रही है। हाल ही में जब 79वें ब्रिटिश एकेडमी फिल्म पुरस्कार यानी बाफ्टा में दिवंगत एक्टर को श्रद्धांजलि दी गई तो उनकी पत्नी हेमा मालिनी भावुक हो गई और कहा कि वह हर पल उन्हें याद करती हैं। बाफ्टा अवॉर्ड सेरेमनी में धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि दिए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए हेमा मालिनी ने कहा जिस तरह बाफ्टा में उन्हें याद किया गया, यह ट्रिब्यूट उनके लिए दिल को छू लेने वाला था, क्योंकि धर्मेंद्र की लोकप्रियता सरहदों से परे थी। हेमा मालिनी ने कहा कि श्धर्मेंद्र सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के स्टार थे। वह ऐसी शख्सियत थे जिनकी चमक सरहदों से कहीं आगे तक फैली हुई थी। उनके चाहने वाले दुनिया के हर कोने में मौजूद थे। हे भगवान, विदेशों में लोग उन्हें देखकर जिस तरह दीवाने हो जाते थे, वह सचमुच हैरान कर देने वाला नजारा होता था। दिवंगत पति के साथ अपनी यादों को ताजा करते हुए हेमा मालिनी ने कहा–हम दोनों ही काफी व्यस्त रहते थे। करियर के पीक पर हम दोनों के पास ही समय नहीं होता था। इसलिए साथ में ज्यादा से ज्यादा समय बिताने के लिए हम अक्सर साथ में फिल्में साइन करते थे। हम शूटिंग के अलावा ज्यादा ट्रैवल नहीं करते थे और साथ फिल्म साइन करते थे, ताकि साथ समय बिता सकें।

आगे उन्होंने कहा–मैं उन्हें (धर्मेंद्र को) हर पल याद करती हूं और अक्सर खुद से पूछती रहती हूं कि क्या वह वाकई चले गए? मैं उनसे अब कब मिलूंगी? मुझे उनकी चुपके चुपके फिल्म बहुत पसंद है और अपनी और उनकी शोले फिल्म भी बहुत पसंद है। बता दें, हेमा मालिनी धर्मेंद्र की दूसरी पत्नी हैं। दोनों की शादी 1980 में हुई थी और फिर दो बेटियों ईशा और अहाना का स्वागत किया था। एक्टर की पहली शादी प्रकाश कौर से हुई थी, जिनसे उनके चार बच्चे सनी, बॉबी, अजीता और विजेता हैं।

> “ इसलिए साथ में ज्यादा से ज्यादा समय बिताने के लिए हम अक्सर साथ में फिल्में साइन करते थे। हम शूटिंग के अलावा ज्यादा ट्रैवल नहीं करते थे और साथ फिल्म साइन करते थे, ताकि साथ समय बिता सकें।

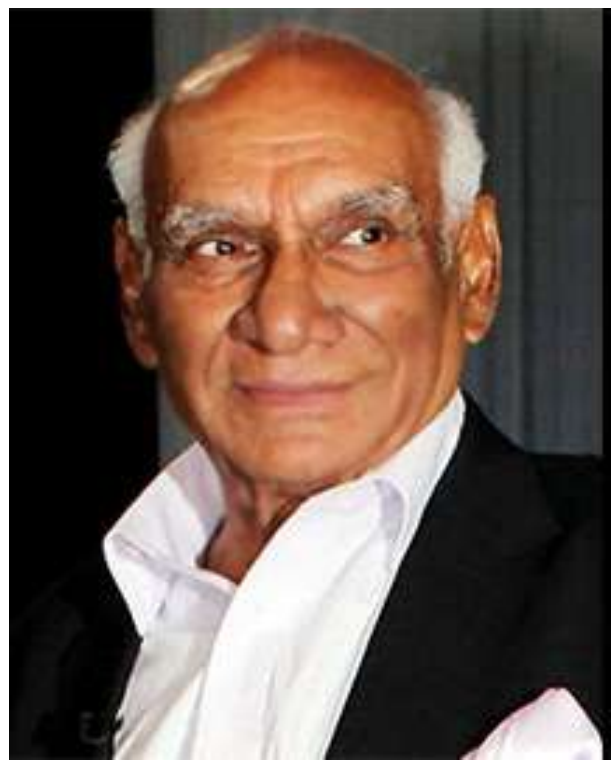

यश चोपड़ा फाउंडेशन ने 'साथी प्रोग्राम 2026' की शुरुआत के साथ कल्याणकारी पहलों का विस्तार किया

यश चोपड़ा फाउंडेशन, जो यश राज फिल्म्स की परोपकारी शाखा है, ने अपने साथी प्रोग्राम के शुभारंभ की घोषणा की है। यह एक वर्ष–भर चलने वाली कल्याणकारी पहल है, जिसका उद्देश्य फिल्म उद्योग से जुड़े कामगारों और उनके परिवारों को निरंतर और संरचित सहायता प्रदान करना है। यह कार्यक्रम एक–बार की राहत से आगे बढ़ते हुए, पूरे वर्ष बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने और जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने पर केंद्रित है। 2026 में यह कार्यक्रम पंजीकृत फिल्म उद्योग कामगारों और उनके परिवारों को सहयोग प्रदान करेगा। इस पहल के तहत मासिक घरेलू सहायता के माध्यम से खाद्य सुरक्षा को मजबूत करना, दवाओं और आवश्यक जाँचों सहित स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करना, बच्चों की शिक्षा और पढ़ाई से जुड़ी आवश्यकताओं के लिए सहायता, तथा वार्षिक पैतृक स्थान यात्रा सहित आवश्यक यात्रा सहयोग शामिल है। सेवानिवृत्त फिल्म कर्मियों (60 वर्ष और उससे अधिक) और दिव्यांग व्यक्तियों पर विशेष ध्यान दिया गया है, यह मानते हुए कि उनकी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें अधिक होती हैं और आय के अवसर सीमित होते हैं। साथी प्रोग्राम के लिए पात्रता में मान्यता प्राप्त यूनियनों से पंजीकृत सक्रिय फिल्म उद्योग कर्मी, कम आय वाले परिवार, स्कूल या कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चों वाले परिवार, तथा निरंतर स्वास्थ्य और चिकित्सकीय आवश्यकताओं का सामना कर रहे वरिष्ठ कर्मी शामिल हैं। साथी प्रोग्राम 2026 में वर्ष–भर की सहायता को और सशक्त बनाने के लिए कई नए सुधार पेश किए गए हैं। इनमें प्रति लाभार्थी वार्षिक सहायता राशि में वृद्धि, व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार सहायता प्रदान करने के लिए लचीली लाभ संरचना, जाँच और उपचार तक बेहतर पहुँच के लिए विस्तारित स्वास्थ्य प्राथमिकता, तथा लाभों तक आसान पहुँच सुनिश्चित करने के लिए सरल डिजिटल वितरण प्रणालियाँ शामिल हैं।

दुष्कर्म मामले में एफआईआर रद्द करने की आदित्य पंचोली की याचिका पर हुई सुनवाई

बॉलीवुड एक्टर आदित्य पंचोली काफी सालों से बलात्कार के मामले में नाम आने के कारण कानूनी मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने इस केस में उनके खिलाफ दायर एफआईआर रद्द करने की मांग की थी। वहीं, आज 28वीं बार उनकी याचिका पर बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इसके बाद एक्टर ने कहा कि यह मामला रद्द होने वाला है और कोर्ट में लंबित है। इस पर कुछ और नही कह सकता और इसमे आगे क्या होगा वो 4 मार्च को पता चलेगा। आदित्य पंचोली के वकील प्रशांत पाटिल ने कहा कि साल 2019 में वर्सोवा पुलिस स्टेशन में दर्ज दुष्कर्म (आईपीसी 376 सहित अन्य धाराएं) की एफआईआर को रद्द करने की मांग दोहराई गई है। मामले की अगली सुनवाई 4 मार्च को तय की गई है। पाटिल ने बताया कि कोर्ट में पुलिस का पक्ष रखते हुए पब्लिक प्रोसिक्यूटर ने कहा कि पुलिस द्वारा 11 बार नोटिस भेजे जाने के बावजूद पीड़िता जांच के लिए उपस्थित नहीं हुईं। इसके बाद हाईकोर्ट ने आज दोबारा नोटिस जारी कर अगली तारीख पर पेश होने के निर्देश दिए हैं। यह मामला 27 जून 2019 को दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। शिकायत के आधार पर पंचोली के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। उस समय एक्टर ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि उन्हें गलत तरीके से फंसाया जा रहा है। आरोपी पक्ष का दावा है कि कथित घटना के लगभग 15 वर्ष बाद शिकायत दर्ज कराई गई और यह कार्रवाई दुर्भावनापूर्ण है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के 'भजनलाल' फैसले का हवाला देते हुए एफआईआर रद्द करने की मांग की गई है।

'द ब्लफ' की स्क्रीनिंग के दौरान प्रियंका चोपड़ा ने दिया दर्शकों को सरप्राइज

इंटरनेशनल स्टार बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' को लेकर चर्चाओं में हैं। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। इस बीच प्रियंका ने फिल्म की रिलीज से पहले फैंस को ऐसा सरप्राइज दिया, जिससे इसकी साधारण स्क्रीनिंग यादगार बन गई। फिल्म द ब्लफ के स्ट्रीमिंग पर रिलीज होने से एक दिन पहले, प्रियंका चोपड़ा न्यूयॉर्क के एक स्थानीय थिएटर में पहुंच गईं, जहां 'द ब्लफ' की स्क्रीनिंग हो रही थी। अचानक प्रियंका को अपने बीच पाकर फैंस हैरान रह गए। प्रियंका अचानक ही दर्शकों से भरे एक थिएटर में व्यक्तिगत रूप से मिलने पहुंच गईं। इस मुलाकात की तस्वीरें और वीडियो जल्द ही सोशल मीडिया पर वायरल ह/ो गए। इस दौरान फैंस ने प्रियंका के साथ तस्वीरें खिंचाईं और फिल्म को लेकर उनसे बात भी की। थिएटर में मौजूद फैंस के लिए प्रियंका की अचानक उपस्थिति किसी सरप्राइज से कम नहीं थी।

'द ब्लफ' में चोपड़ा एक पूर्व समुद्री डाकू की दमदार और एक्शन से भरपूर भूमिका में हैं। जो अपनी बेटी की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद से ही फैंस फिल्म का इंतजार कर रहे थे। अब सामने आए फिल्म के शुरुआती रिव्यूज में दर्शक फिल्म को पसंद कर रहे हैं। वहीं प्रियंका के अभिनय की जमकर सराहना कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण एजीबीओ स्टूडियोज ने अमेजन एमजीएम स्टूडियोज के सहयोग से किया है, जो सिटाडेल के बाद स्टूडियोज और चोपड़ा के बीच एक और कोलैबोरेशन है। प्रियंका चोपड़ा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो एसएस राजामौली की आगामी फिल्म 'वाराणसी' से इंडियन सिनेमा में वापसी करने वाली हैं। काफी बड़े स्तर पर बनने वाली इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म अगले साल यानी 2027 में 7 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। इसके अलावा प्रियंका की पाइपलाइन में सिटाडेल का दूसरा सीजन भी है। इसकी पुष्टि खुद अभिनेत्री ने की थी। वो अभी इस सीरीज की शूटिंग कर रही हैं।

एंकर ने पूछा रेट क्या है तो गुस्से तिलमिला उठीं ये सिंगर, मारने के लिए निकाल ली चप्पल

भोजपुरी सिंगर निशा उपाध्याय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह लाइव स्टेज शो के दौरान एंकर को मार चप्पल से मार रही हैं। अब सब के मन में यही सवाल होगा कि आखिर ऐसा क्या हो गया, जो निशा उपाध्याय को इतना गुस्सा आया कि उन्हें एंकर को मारने के लिए चप्पल निकाल ली। दरअसल, एंकर ने जब स्टेज पर परफॉर्म कर रही निशा उपाध्याय से उनका रेट पूछा तो सिंगर तिलमिला उठीं और उन्होंने उसे मारने के लिए चप्पल निकाल ली। एंकर ने निशा से मंच पर कहा कि उनका रेट क्या है। यह सुनते ही निशा भड़क उठीं और एंकर पर अपना गुस्सा निकालने लगी। इसके बाद उनके बीच बचाव के लिए कई लोग आए लेकिन निशा का गुस्सा शांत नहीं हुआ। वह कहती दिखीं कि ये रेट बताएगा मेरा। इस वीडियो को देखने के बाद निशा उपाध्याय के फैंस भी हैरान रह गए और उनका सपोर्ट करते नजर आए। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, भोजपुरी सिंगर के साथ इस तरह का व्यवहार गलत है। दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। दूसरे ने कहा– बहादुर महिला तुमने जो किया बहुत ही अच्छा किया।

सर्दी-जुकाम, खांसी और गले की खराश में बेहद फायदेमंद है मुलेठी, मिलेंगे कई लाभ

सर्दियों में जुकाम–खांसी और गले में खरास आदि समस्याएं होना आम बात है। सर्दियों में मौसम में शरीर को बीमारियों से बचाने के लिए कई तरीके अपनाए जाते हैं। सर्दी से बचने के लिए हेल्दी डाइट, गर्म कपड़े और जड़ी–बूटियां बेहद काम आती हैं। वहीं सर्दियों में औषधीय गुणों से भरपूर मुलेठी कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाती है। लेकिन आपको यह पता होना चाहिए कि इस मौसम में मुलेठी का कब और कितनी मात्रा में इसका सेवन करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मुलेठी का सेवन करने से क्या फायदा मिलता है और इसका कैसे सेवन करना चाहिए।

मुलेठी खाने के लाभ

सर्दियों में मुलेठी खाने से कई फायदे मिलते हैं और आप मुलेठी पाउडर से लेकर डंठल, चाय और काढ़ा आदि सभी दवा का काम करते हैं। वहीं इसके सेवन से हेल्थ प्रॉब्लम नहीं होती है। बच्चों से लेकर बड़ों तक के लिए मुलेठी काफी फायदेमंद होती है।

इम्यूनिटी

बता दें कि मुलेठी एंटीफंगल, एंटीऑक्सिडेंट और एंटीवायरल से भरपूर होती है। वहीं रोजाना इसके सेवन से इम्यूनिटी बढ़ती है। वहीं सर्दी–जुकाम से बचाव होता है। आप रोजाना सुबह मुलेठी का डंठल चूस सकते हैं या फिर मुलेठी पाउडर का सेवन कर सकते हैं।

सीजनल इंफेक्शन

मौसम बदलते ही कमजोर इम्यूनिटी के कारण कई लोगों को इंफेक्शन की समस्या होने लगती। वहीं मुलेठी में एंजाइम पाया जाता है, जो इम्यूनिटी बढ़ाता है। वहीं इसके सेवन से मौसम बदलने पर इंफेक्शन नहीं होता है।

दर्द और सूजन

ठंड के मौसम में मुलेठी खाने से दर्द और सूजन में राहत पायी जा सकती है। इसमें मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण शरीर में दर्द और सूजन पैदा करने वाले फ्री रेडिकल के प्रभाव को कम करता है। वहीं इसमें पेट में ऐंठन, सूजन, डिमल्सेंट गुण और जलन को कम करने वाला गुण पाया जाता है। गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल हेल्थ के लिए मुलेठी का सेवन लाभकारी होता है और सूजन की समस्या कम होती है। वहीं यह अल्सर में भी फायदेमंद होता है।

डायबिटीज के रोगियों के लिए लाभकारी

मुलेठी में मौजूद एंटी–ऑक्सीडेंट और हाइपरग्लाइसेमिक गुण डायबिटीज के रोगियों को फायदा पहुंचाने का काम करता है। एक अध्ययन के अनुसार, मुलेठी के अर्क का सेवन करने से ब्लड ग्लूकोज के लेवल में कमी आती है। जिससे डायबिटीज के इलाज में फायदा मिलता है।

वेट लॉस

यदि आप वेट लॉस करना चाहते हैं, तो मुलेठी का सेवन आपको फायदा पहुंचाएगा। इसके लिए आप मुलेठी का अर्क या पाउडर का सेवन कर सकते हैं। इसको खाने से पेट का मोटापा कम होता है।

फैटी लिवर

लिवर के लिए मुलेठी फायदेमंद होती है। इसमें मौजूद एंटी–इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट और हेपोप्रोटेक्टिव एलिमेंट लिवर को डैमेज होने से बचाता है। फैटी लिवर की समस्या होने पर मुलेठी का अर्क लेने से फायदा मिलेगा।

साफ होगा गला

गले में किसी भी तरह के इंफेक्शन से बचने के लिए मुलेठी का सेवन करना चाहिए। यह गले को साथ करने के साथ ही खराश की शिकायत को भी कम करता है। बता दें कि अपने गले को साफ और सुरक्षित करने के लिए कई लोग मुलेठी का सेवन करते हैं।

ऐसे करें मुलेठी का सेवन

मुलेठी का लाभ लेने के लिए इसको सही समय और सही मात्रा में सेवन करना चाहिए। तो आइए जानते हैं कि सर्दियों में आपको कब और कितनी मुलेठी का सेवन करना चाहिए।

सर्दी–जुकाम से मिलेगी राहत

मौसम में बदलाव होने पर सर्दी–जुकाम, खांसी, गले में खराश और नाक बहने लगती है। ऐसे में मुलेठी का सेवन आपको फायदा दे सकता है। क्योंकि मुलेठी में एंटीफंगल, एंटीऑक्सिडेंट और एंटीवायरल गुण पाया जाता है। जो आपको जल्द राहत देने का काम करते हैं। अगर आपके पास मुलेठी की चाय या पाउडर बनाने का समय नहीं है, तो आप मुलेठी का डंठल भी चूस दे सकते हैं। इससे भी आपको सर्दी–जुकाम और खांसी से राहत मिलेगी।

शहद और अदरक के साथ मुलेठी का सेवन

मुलेठी का ज्यादा फायदा पाने के लिए मुलेठी पाउडर को शहद और अदरक के रस के साथ मिलाकर खाना चाहिए। इस मिश्रण को दिन में दो बार लेने से आपको जल्द आराम मिलेगा। मुलेठी का स्वाद बच्चों को पसंद नहीं आता है। ऐसे में आप इसको शहद में मिलाकर बच्चे को खिला सकते हैं।

कब और कितनी खाएं मुलेठी

कहा जाता है कि किसी भी चीज की अति अच्छी नहीं होती है। ऐसा मुलेठी के साथ भी होता है। इसका ज्यादा सेवन आपको नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए इसका सीमित मात्रा में सेवन करना चाहिए।

अगर आपको सर्दी–जुकाम है, तो पूरे दिन में आधा इंच मुलेठी की डंठल को दो बार चूसें। इससे आपको जल्द ही आराम मिलेगा।

सर्दी–जुकाम और खांसी की समस्या होने पर अदरक का रस और शहद में मुलेठी पाउडर मिलाकर इसको एक बोतल में रख लें। फिर दिन में दो बार इसको खाएं। इससे आपको जल्द ही आराम मिलेगा।

ज्यादा मुलेठी खाने से हो सकता है नुकसान

जहां मुलेठी के कई फायदे हैं, तो वहीं इसके अपने कुछ नुकसान भी हैं। कुछ लोगों को इसका स्वाद नहीं पसंद आता है। वहीं अधिक मात्रा में इसका सेवन करने से मुंह का स्वाद बिगड़ जाता है। जिसके बाद कोई भी चीज खाने का मन नहीं करता है। वहीं अगर आप सही समय और सही मात्रा में इसका सेवन करते हैं, तो आपको इसके कई फायदे मिलते हैं।

गर्भवती महिलाएं न खाएं मुलेठी

मुलेठी बॉडी को क्लीन करने का काम करता है। ऐसे में प्रेग्नेंसी के दौरान इसका सेवन सही नहीं माना जाता है। वहीं यदि आपको इसका सेवन करना है, तो पहले डॉक्टर से जरूर परामर्श लें।

ऐसे बनाकर तैयार करें मुलेठी की चाय

बता दें कि मुलेठी औषधीय गुणों से भरपूर होती है। साथ ही इस चाय के सेवन से सर्दी–खांसी से राहत मिलती है।

रंगों का त्योहार लेकिन कुछ जगहों पर सन्नाटा, जानें इसके पीछे का सच

होली 2026 इस वर्ष 4 मार्च को मनाई जाएगी। फाल्गुन माह की पूर्णिमा तिथि पर मनाया जाने वाला यह पर्व रंग, उमंग और भाईचारे का प्रतीक है। देशभर में होलिका दहन और रंगोत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश के मथुरा–वृंदावन से लेकर राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र तक होली की धूम रहती है। विदेशों में भी भारतीय समुदाय इस त्योहार को हर्षोल्लास के साथ मनाता है। हालांकि, आपको यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि भारत में ही कुछ ऐसे गांव और स्थान हैं, जहां वर्षों से होली नहीं मनाई जाती। इन स्थानों पर होली न मनाने के पीछे स्थानीय मान्यताएं, ऐतिहासिक घटनाएं और धार्मिक आस्थाएं जुड़ी हुई हैं।

आइए जानते हैं उन जगहों के बारे में, जहां होली के दिन रंगों की जगह सन्नाटा पसरा रहता है।

हरियाणा का दुसेरपुरः 300 साल पुरानी मान्यता

हरियाणा के दुसेरपुर गांव में पिछले लगभग 300 वर्षों से होली का त्योहार नहीं मनाया गया है।

क्या है मान्यता?

स्थानीय लोगों के अनुसार, कई साल पहले होली के दिन गांव के कुछ लोगों ने एक साधु की अवहेलना कर दी थी। इससे नाराज होकर साधु ने पूरे गांव को श्राप दिया कि यहां कभी होली नहीं मनाई जाएगी। ग्रामीणों का विश्वास है कि यदि गांव में होली मनाई गई तो अनिष्ट हो सकता है। इसी भय और आस्था के चलते आज भी यहां न होलिका दहन होता है और न ही रंग खेला जाता है। गांव के बुजुर्गों का कहना है कि यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है और आज भी इसका पालन किया जाता है।

उत्तराखंड के खुरजान और क्विली गांवः कुल देवी का सम्मान

उत्तराखंड के खुरजान और क्विली गांवों में लगभग 150 वर्षों से होली नहीं मनाई जाती।

धार्मिक आस्था से जुड़ा कारण

ग्रामीणों का मानना है कि उनकी कुल देवी त्रिपुर सुंदरी को शोर–शराबा पसंद नहीं है। चूंकि होली का त्योहार रंगों और उत्सव के साथ धूमधाम से मनाया जाता है, इसलिए यहां के लोग इसे नहीं मनाते। स्थानीय विश्वास है कि यदि गांव में होली खेली गई तो देवी रुष्ट हो सकती हैं और गांव पर संकट आ सकता है। यही कारण है कि इन दोनों गांवों में आज भी न तो होलिका दहन किया जाता है और न ही रंग खेला जाता है। लोग इस दिन सामान्य दिनचर्या का पालन करते हैं।

झारखंड का दुर्गापुरः ऐतिहासिक घटना से जुड़ी परंपरा

झारखंड के दुर्गापुर में भी होली नहीं मनाई जाती।

क्या है इतिहास?

स्थानीय कथा के अनुसार, होली के दिन ही दुर्गापुर के राजा दुर्गा प्रसाद की हत्या रामगढ़ के राजा द्वारा कर दी गई थी। इस दुखद घटना के बाद गांव में शोक का माहौल रहा और तब से होली का त्योहार बंद कर दिया गया। कहा जाता है कि लगभग 100 वर्ष बाद कुछ खानाबदोश मल्हार समुदाय के लोगों ने यहां होली मनाने की कोशिश की थी। उसी दिन दो लोगों की मृत्यु हो गई और गांव में महामारी फैल गई। ग्रामीणों ने इसे होली मनाने से जोड़कर देखा। तब से गांव में सख्ती से होली नहीं मनाई जाती। यहां तक कि यदि गांव का कोई व्यक्ति बाहर होली के दिन मौजूद हो, तो लोग उस पर रंग लगाने से भी बचते हैं।

गुजरात का रामसन गांवः आग की घटना के बाद बंद हुआ उत्सव

गुजरात के रामसन गांव में करीब 200 वर्षों से होली नहीं मनाई गई है।

क्या हुआ था?

मान्यता है कि लगभग दो शताब्दी पहले होलिका दहन के दिन पूरे गांव में भीषण आग लग गई थी। आग इतनी फैल गई कि कई घर जलकर राख हो गए। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने निर्णय लिया कि वे अब होली का त्योहार नहीं मनाएंगे। तब से लेकर आज तक यहां होलिका दहन नहीं होता और रंगोत्सव भी नहीं मनाया जाता। ग्रामीणों के अनुसार, यह निर्णय गांव की सुरक्षा और शांति के लिए लिया गया था।

आस्था और परंपरा का सम्मान

भारत विविधताओं का देश है। जहां एक ओर मथुरा और वृंदावन में लट्ठमार होली विश्वप्रसिद्ध है, वहीं दूसरी ओर कुछ गांवों में यह पर्व पूरी तरह से वर्जित है। इन स्थानों पर होली न मनाने की परंपरा चाहे ऐतिहासिक घटनाओं से जुड़ी हो या धार्मिक आस्था से, लेकिन ग्रामीण आज भी इन मान्यताओं का सम्मान करते हैं। यह तथ्य भारतीय संस्कृति की विविधता और स्थानीय परंपराओं की गहराई को दर्शाता है।

होली 2026 जहां देशभर में रंग, उमंग और उत्साह के साथ मनाई जाएगी, वहीं भारत के कुछ गांव ऐसे भी हैं जहां यह दिन सामान्य दिनों की तरह ही बीतता है। इन स्थानों की मान्यताएं भले ही अजब–गजब लगें, लेकिन वहां के लोगों के लिए यह आस्था और परंपरा का सवाल है। भारत की यही विविधता उसे खास बनाती है, जहां हर क्षेत्र की अपनी अलग पहचान और विश्वास हैं।

नेचुरल तरीके से हटाएं मेकअप, बादाम तेल का करें इस्तेमाल और जानें इसके फायदे

क्या आप देर रात पार्टी करने के बाद अपना मेकअप हटाने में काफी आलस करती हैं? यदि हां, तो आपको इसे तुरंत रोकने की आवश्यकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि मेकअप प्रोडक्ट में केमिकल और नकली तत्व होते हैं जो आपकी त्वचा के हेल्थ को खराब कर सकते हैं। बता दें कि आप घर पर एक सरल एवं प्रभावी मेकअप रिमूवर बना सकते हैं जो आपकी त्वचा की गुणवत्ता में सुधार करने में भी सहायता कर सकता है। बादाम का तेल, एक प्राकृतिक और पौष्टिक विकल्प, न केवल मेकअप को आसानी से हटाता है बल्कि आपकी त्वचा के लिए कई लाभ भी प्रदान करता है।

बादाम तेल के फायदे

बादाम के तेल में विटामिन, एंटीऑक्सिडेंट और आवश्यक फैटी एसिड से भरपूर होता है जो त्वचा के लिए अद्भुत काम करता है। इसकी हल्का बनावाट और कोमल प्रकृति इसे सभी प्रकार की त्वचा के लिए उपयुक्त बनाती है। कठोर केमिकल्स रिमूवर के विपरीत, बादाम का तेल मेकअप को प्रभावी ढंग से हटाने के दौरान त्वचा को हाइड्रेट और पोषण देता है, जिससे आपका रंग साफ, मुलायम और चमकदार हो जाता है।

बादाम का तेल मेकअप कैसे हटाता है?

बादाम का तेल 'ऑयल क्लींजिंग' नामक प्रक्रिया के माध्यम से मेकअप रिमूवर के रूप में काम करता है। जब त्वचा पर मालिश की जाती है, तो बादाम का तेल आपके मेकअप, सनस्क्रीन और अशुद्धियों में मौजूद तेलों को बांध देता है, जिससे त्वचा के प्राकृतिक तेलों को छीने बिना उन्हें आसानी से मिटाया जा सकता है। यह विधि न केवल त्वचा को साफ करती है बल्कि तेल उत्पादन को संतुलित करने में भी मदद करती है, जिससे यह ऑयली और कॉम्बिनेशन स्किन के प्रकारों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद हो जाती है।

बादाम के तेल से मेकअप हटाने के फायदे

स्किन को सौम्य रहती है

बादाम का तेल त्वचा पर कोमल होने के साथ–साथ इतना शक्तिशाली भी होता है कि कठोर स्क्रबिंग या खींचे बिना भी वाटरप्रूफ मेकअप को हटा सकता है। इसके एमोलिएंट गुण मेकअप के कणों को तोड़ने में मदद करते हैं, जिससे जलन या लालिमा पैदा किए बिना उन्हें पोंछना आसान हो जाता है।

हाइड्रेटिंग करता है

मेकअप रिमूवर के विपरीत, जो त्वचा को ड्राई और टाइट महसूस करा सकता है, बादाम का तेल हाइड्रेटिंग और पोषण प्रदान करता है। इसकी उच्च विटामिन ई सामग्री त्वचा को पर्यावरणीय क्षति और समय से पहले बूढ़ा होने से बचाने में मदद करती है, जिससे यह नरम, कोमल और चमकदार हो जाती है।

एंटी इंफ्लेमेटरी

बादाम के तेल में प्राकृतिक रुप से एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जलन वाली त्वचा को शांत करने में मदद करते हैं। यह मुँहासे, एक्जिमा और रोसैसिया जैसी स्थितियों से जुड़ी लालिमा, खुजली और सूजन को कम करने में मदद कर सकता है।

दवाइयों से नहीं घर के नुस्खों से करें दूर पीरियड्स में होने वाला दर्द

पीरियड्स का समय किसी भी महिला के लिए काफी परेशानी भरा होता है। इस दौरान मूड स्विंग्स, सिरदर्द, बदनदर्द जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पीरियड्स के दौरान दर्द सिर्फ पेट न होकर पूरे बदन में तकलीफ बनी रहती है। ये ही वजह है कि पीरियड्स के असहनीय दर्द से छुटकारा पाने के लिए महिलाएं दवाओं का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन इन दवाओं में कई सारे केमिकल्स होते हैं जिससे शरीर को नुकसान हो सकता है। इसलिए बेहतर होगा की आप इन असरदार घरेलू उपायों का इस्तेमाल करें।

तिल के तेल की मालिश

इस तेल में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सिडेंट के गुण होते हैं जिससे दर्द में आराम मिलता है। तिल के तेल को हल्का गर्म करके इससे कमर और पेट की मालिश करने से राहत मिलेगी।

अजवाइन

पेट से जुड़ी समस्याओं में अजवाइन रामबाण इलाज है। पीरियड्स के समय में ये काफी फायदेमंद होते हैं। इसके लिए बस आधा चम्मच अजवाइन और आधा चम्मच नमक लें। इसे गुनगुने पानी के साथ खाने से जल्द आराम मिलेगा। इसके अलावा चुकंदर, गाजर और खीरे के जूस में अजवाइन मिलाकर खाने से भी दर्द से राहत मिलती है।

तुलसी

तुलसी एक नेचुरल पेन किलर के तौर पर भी काम करता है। ऐसे में पीरियड्स के दौरान इसका सेवन आपको राहत दिला सकता है। तुलसी में मौजूद कैफीक एसिड दर्द से आराम पहुंचाता है। इसके लिए आधा कप पानी में तुलसी के 7–8 पत्ते उबालकर पी सकते हैं।

पपीता

जब महिलाओं को पीरियड्स के दौरान ठीक से फ्लो न आए

तो पपीता इस दौरान काफी मददगार होता है। इसके सेवन से पीरियड्स के दौरान फ्लो अच्छा गोने पर दर्द भी नहीं होगा।

गर्म पानी की थैली

पीरियड्स में होने वाले दर्द से निजात पाने के लिए गर्म पानी की सिंकाई भी काफी मददगार है। दर्द से राहत पाने के लिए गर्म पानी की थैली से पेट और कमर की सिंकाई करने से जल्द आराम मिलता है।

शोएब अख्तर ने गिरगिट की तरह बदला रंग, मना रहे थे भारत बाहर हो जाए, जब पाकिस्तान पर तलवार लटकी तो बदल गए तेवर

कराची,एजेंसी। पाकिस्तानी क्रिकेटर कुछ न कुछ ऐसा करते हैं, जिससे वह सुर्खियों या फिर विवादों में बने रहते हैं। टी20 विश्वकप के दौरान पाकिस्तान में कई क्रिकेट शो चलते हैं और हर बार शो में पूर्व क्रिकेटर कुछ न कुछ ऐसा कह देते हैं, जो विवादित होता है। इसमें सबसे दिलचस्प यह है कि पिछले कुछ आईसीसी टूर्नामेंट्स में पाकिस्तान का प्रदर्शन बेहद खराब और भारत का उतना ही अच्छा रहा है और पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर इससे बौखलाए हुए हैं। बस टी20 विश्वकप 2026 में भारत की एक हार से वह खुश हो गए और उछलने लगे, लेकिन उनकी खुद की टीम की हार से इस खुशी पर पानी फिर जाता है। ऐसा ही कुछ दिग्गज तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के साथ देखने को मिला। रावलपिंडी एक्सप्रेस के नाम से मशहूर अख्तर इंग्लैंड के खिलाफ मैच से पहले तो बेहद खुश नजर आ रहे थे और भारत के बाहर होने की कामना कर रहे थे, लेकिन जैसे ही इंग्लैंड से उनकी टीम को पिटाई पड़ी, अख्तर ने रंग बदल लिए। उनके तेवर बिल्कुल ही बदले बदले नजर आए। टी20 वर्ल्ड कप सुपर 8 में पाकिस्तान की इंग्लैंड से करारी हार के बाद अख्तर लाइव टीवी शो गेम ऑन है पर नाराज नजर आए। मैच से पहले शो में अख्तर ने कहा था, श्मैं उम्मीद करता हूं कि इंग्लैंड खराब खेले ताकि हम दो अंक ले सकें। अगर भारत बाहर हो जाए और हम सेमीफाइनल में पहुंच जाएं तो हमारी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।श हालांकि, यह बयान पाकिस्तान की हार के बाद उल्टा पड़ गया और सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। पाकिस्तान की हार के बाद वह अपने कप्तान सलमान अली आगा पर बरस पड़े। उनके यू–टर्न का फैंस मजाक बना रहे हैं। इंग्लैंड से हार के बाद पाकिस्तान पर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। अब कोई चमत्कार ही उन्हें सेमीफाइनल में जगह दिला सकता है। पल्लेकेले में मिली हार के बाद अख्तर ने कप्तान सलमान अली आगा की नेतृत्व क्षमता पर सवाल खड़े कर दिए। दिलचस्प बात यह है कि कप्तान नियुक्त किए जाने पर अख्तर ने ही सबसे पहले इस फैसले का स्वागत किया था। अब हार के बाद उन्होंने यू–टर्न लेते हुए कहा कि टीम की अगुवाई के लिए मजबूत नेतृत्व की जरूरत है। शोएब अख्तर के इस आफ्टर और बिफोर के वीडियो को फैंस सोशल मीडिया पर खूब शेयर कर रहे हैं। इसी शो में सकलैन मुश्ताक भी इंग्लैंड से मैच से पहले कहते दिखे, पाकिस्तान अगर अपने दम पर खेले तो किसी भी टीम को हरा सकती है। उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ पिछला रिकॉर्ड देखने की जरूरत नहीं है। पाकिस्तानी खिलाड़ियों में वह दमखम है। अगर पाकिस्तान जीता तो शोएब की बात सही हो जाएगी। हालांकि, सकलैन मुश्ताक का चेहरा भी हार के बाद लटक गया। इतना ही नहीं, हार के बाद सकलैन की तो दामाद शादाब खान के प्रदर्शन को लेकर पूर्व ऑलराउंडर मोहम्मद हफीज से तीखी बहस तक हो गई। इस तरह एक बार फिर पाकिस्तान का मजा किरकिरा हो गया। उनके हालात बदल गए, जज्बात बदल गए। इंग्लैंड की ओर से कप्तान हैरी ब्रूक ने 51 गेंदों में 100 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। 165 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड 58/4 की मुश्किल स्थिति में था, लेकिन ब्रूक ने आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को जीत दिलाई। यह टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में किसी कप्तान का पहला शतक भी रहा। हालांकि, शाहीन अफरीदी ने 4/30 के आंकड़े के साथ शानदार गेंदबाजी की, लेकिन अंत में जोफ्रा आर्चर ने विजयी चौका लगाकर इंग्लैंड को 19.1 ओवर में 166/8 तक पहुंचा दिया। मैच के बाद सलमान अली आगा ने कहा, जब भी हम इंग्लैंड से हारते हैं, वजह हमेशा वही होते हैं। इस मैच में जिस तरह उन्होंने बल्लेबाजी की, उसके लिए उन्हें सलाम। वह मैदान के हर हिस्से में शॉट खेल सकते हैं, जिससे चुनौती और बढ़ जाती है। सलमान ने आगे कहा, श्अगर क्वालिफिकेशन का एक प्रतिशत भी मौका होगा, तो मेरी टीम पूरी कोशिश करेगी। अब पाकिस्तान को श्रीलंका के खिलाफ आखिरी मैच से पहले अन्य नतीजों का इंतजार करना होगा।

संक्षिप्त

हरे निशान पर खुला घरेलू शेयर बाजार, सेंसेक्स 559 अंक चढ़ा, निफ्टी 25500 के पार

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हरे निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 558.79 अंक बढ़कर 82,784.71 पर पहुंच गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 157.05 अंक चढ़कर 25,581.70 पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 6 पैसे बढ़कर 90.89 पर पहुंच गया। सेंसेक्स पैक से, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, पावर ग्रिड और इंटरग्लोब एविएशन सबसे बड़े लाभ कमाने वाले शेयर रहे। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स और मारुति सुजुकी इस मामले में पिछड़ गए। प्रारंभिक कारोबार के दौरान बीएसई आईटी इंडेक्स 2.08 प्रतिशत बढ़कर 29,850.09 पर कारोबार कर रहा था। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नेतृत्व में होने वाले व्यवधान की चिंताओं के बीच मंगलवार को आईटी शेयरों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। सुबह के कारोबार में एशियाई शेयरों में अधिकतर तेजी देखी गई, जापान का बेंचमार्क रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया, क्योंकि निवेशक वॉल स्ट्रीट में रात भर हुई तेजी से उत्साहित थे, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता में उछाल के बारे में आशावाद को दर्शाती प्रतीत होती है। जापान का बेंचमार्क 1.3प्रतिशत बढ़कर 58,081.62 पर पहुंच गया। यह चीन द्वारा पिछले दिन 40 जापानी कंपनियों और संगठनों को निर्यात प्रतिबंधित करने के कदम के बावजूद हुआ, जिनके बारे में उसका कहना है कि वे जापान के पुनः सैन्यीकरण में योगदान दे रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 1.1प्रतिशत बढ़कर 9,122.50 पर पहुंच गया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.7प्रतिशत बढ़कर 6,069.36 पर पहुंच गया। हांगकांग का हैंग सेंग 0.3ः बढ़कर 26,668.83 पर पहुंच गया, जबकि शंघाई कंपोजिट 0.7प्रतिशत बढ़कर 4,147.68 पर पहुंच गया। निवेशक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण पर भी बारीकी से नजर रख रहे हैं, जो एशिया के लिए दिन के समय प्रसारित किया जा रहा है। ट्रम्प को उम्मीद है कि वे तेजी से सतर्क हो रहे अमेरिकियों को आश्वस्त कर पाएंगे कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है और उनकी नीतियां घरेलू रोजगार बाजार और विनिर्माण क्षेत्र को समर्थन देती हैं। वॉल स्ट्रीट पर, एसएंडपी 500 मंगलवार को 0.8ः चढ़ा और पिछले दिन की भारी गिरावट का लगभग तीन–चौथाई हिस्सा रिकवर कर लिया। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 370 अंक या 0.8ः की वृद्धि हुई और नैस्डैक कंपोजिट में 1प्रतिशत का लाभ हुआ। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.76 प्रतिशत बढ़कर 71.31 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 102.53 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,161.22 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। मंगलवार को सेंसेक्स 1,068.74 अंक या 1.28 प्रतिशत गिरकर 82,225.92 पर बंद हुआ। निफ्टी 288.35 अंक या 1.12 प्रतिशत गिरकर 25,424.65 पर बंद हुआ।

संपत्ति मौद्रीकरण से 10 साल में 40 लाख करोड़ बढ़ेगी जीडीपी, निजी क्षेत्र की बढ़ेगी भागीदारी

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रीय मौद्रीकरण पाइपलाइन के दूसरे चरण (एनएमपी 2.0) के तहत केंद्र के सरकारी परिसंपत्तियों को पट्टे पर देकर कमाई करने की पहल से देश की जीडीपी में अगले पांच से 10 साल में करीब 40 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। नीति आयोग ने एक रिपोर्ट में कहा, परिसंपत्तियों के मौद्रीकरण से न सिर्फ बुनियादी ढांचा निवेश को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि मौजूदा सरकारी एसेट को पट्टे पर देने से होने वाली कमाई को फिर से नई इन्फ्रा परियोजनाओं में लगाया जा सकता है। इससे आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, एनएमपी 2.0 के तहत परिसंपत्तियों के मौद्रीकरण से आर्थिक दृष्टिकोण के लिहाज से कई लाभ होंगे। इससे बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी आने के साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ेगी। ज्यादा पूंजी निवेश होगा और सार्वजनिक संपत्तियों के बेहतर इस्तेमाल से लंबी अवधि में अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। दरअसल, केंद्र ने पांच वर्षों में 12 क्षेत्रों की सरकारी परिसंपत्तियों को पट्टे पर देकर 16.72 लाख करोड़ जुटाने का लक्ष्य रखा है। इसे हासिल करने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एनएमपी 2.0 लॉन्च किया। इसमें 5.8 लाख करोड़ का निजी क्षेत्र का निवेश भी शामिल है। नीति आयोग ने राष्ट्रीय मौद्रीकरण पाइपलाइन के पहले चरण यानी एनएमपी 1.0 को 2021 में वित्त वर्ष 2022–25 की अवधि के लिए शुरू किया था। इसमें चालू सार्वजनिक बुनियाधी ढांचा परिसंपत्तियों को निजी क्षेत्र को पट्टे पर देकर 6 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा गया था। इस चरण में 5.3 लाख करोड़ जुटाए जा चुके हैं, जो लक्ष्य का करीब 89 फीसदी है।

शुरुआती बढ़त गंवा सपाट बंद हुए बेंचमार्क सूचकांक

नई दिल्ली,एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती बढ़त के बावजूद बुधवार को सपाट क्लोजिंग हुई। प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक अपनी बढ़त के सिलसिले को बरकरार नहीं रख पाए और मामूली बढ़त के साथ बस हरे निशान पर बंद भर हो सके। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स 50.15 अंकों की बढ़त के साथ 82.276.07 जबकि निफ्टी 57.85 अंक चढ़कर 25,482.50 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 90.95 (अस्थायी) के स्तर पर स्थिर रहा।

दिल्ली कोर्ट का बड़ा फैसला, धवन की पूर्व पत्नी को 5.7 करोड़ रुपये लौटाने का आदेश

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली पारिवारिक अदालत ने शिखर धवन की पूर्व पत्नी आयशा मुखर्जी को 5.7 करोड़ रुपये लौटाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने ऑस्ट्रेलिया में हुए संपत्ति समझौते को धोखाधड़ी और दबाव में कराया गया बताया। साथ ही नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का निर्देश दिया गया और ऑस्ट्रेलियाई आदेशों को अमान्य ठहराया। दिल्ली की फैमिली कोर्ट ने भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन की पूर्व पत्नी आयशा मुखर्जी को 5.7 करोड़ रुपये (लगभग 8.94 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर) लौटाने का आदेश दिया है। अदालत ने पाया कि ऑस्ट्रेलिया में हुआ संपत्ति समझौता धमकी, जबरन वसूली और धोखाधड़ी के जरिए कराया गया था। पटियाला हाउस कोर्ट के जज देवेंद्र कुमार गर्ग ने सभी सेटलमेंट दस्तावेजों को शून्य और अमान्य घोषित कर दिया। अदालत ने कहा कि धवन ने इन दस्तावेजों पर धमकी, जबरन वसूली, छल और धोखाधड़ी के दबाव में हस्ताक्षर किए थे।

अदालत ने फरवरी 2024 में ऑस्ट्रेलियाई कोर्ट द्वारा पारित आदेशों के अमल पर भी रोक लगा दी। उन आदेशों में दंपति की वैश्विक संपत्तियों का बंटवारा किया गया था, जिसमें भारत स्थित धवन की संपत्तियां भी शामिल थीं। ऑस्ट्रेलियाई अदालत ने संपत्ति के कुल पूल का 15 प्रतिशत हिस्सा आयशा मुखर्जी को दिया था। इसके अलावा उन्हें 7.46 करोड़ रुपये की संपत्ति रखने की अनुमति दी गई थी और अतिरिक्त 15.95 करोड़ रुपये तथा एक प्रॉपर्टी ट्रांसफर करने का आदेश दिया गया था। हालांकि, दिल्ली कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वैवाहिक विवादों के निपटारे का अधिकार ऑस्ट्रेलियाई अदालत के पास नहीं था। धवन ने अदालत को बताया कि 2012 में शादी के तुरंत बाद मुखर्जी ने झूठे और मानहानिकारक आरोप सार्वजनिक करने की धमकी दी, जिससे मेरी प्रतिष्ठा और क्रिकेट करियर बर्बाद हो सकता था। उन्होंने दावा किया कि कई संपत्तियां उन्होंने अपनी कमाई से खरीदीं, लेकिन दबाव में उन्हें संयुक्त नाम या पूरी तरह मुखर्जी के नाम पर पंजीकृत करना पड़ा। एक मामले में तो खरीदी गई संपत्ति में मुखर्जी को 99 प्रतिशत मालिक दिखाया गया था। सभी सबूतों पर विचार करने के बाद अदालत ने धवन के पक्ष में फैसला सुनाया और कहा कि वे ऑस्ट्रेलियाई अदालत के आदेशों से बाध्य नहीं हैं। साथ ही, 5.7 करोड़ रुपये पर केस दायर करने की तारीख से नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का भी निर्देश दिया गया। साल 2023 में दिल्ली की अदालत ने दोनों को तलाक दे दिया था। अदालत ने माना था कि धवन अपने बेटे जोरावर से लंबे समय तक दूर रहने के कारण मानसिक आघात से गुजरे। हालांकि, धवन को स्थायी कस्टडी नहीं मिली, लेकिन भारत और ऑस्ट्रेलिया में मुलाकात और वीडियो कॉल का अधिकार दिया गया था।

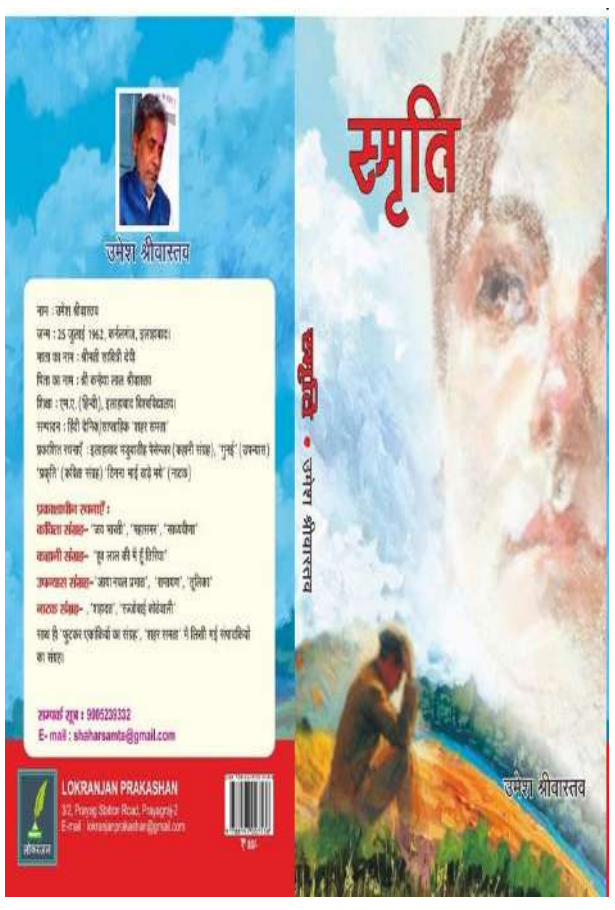

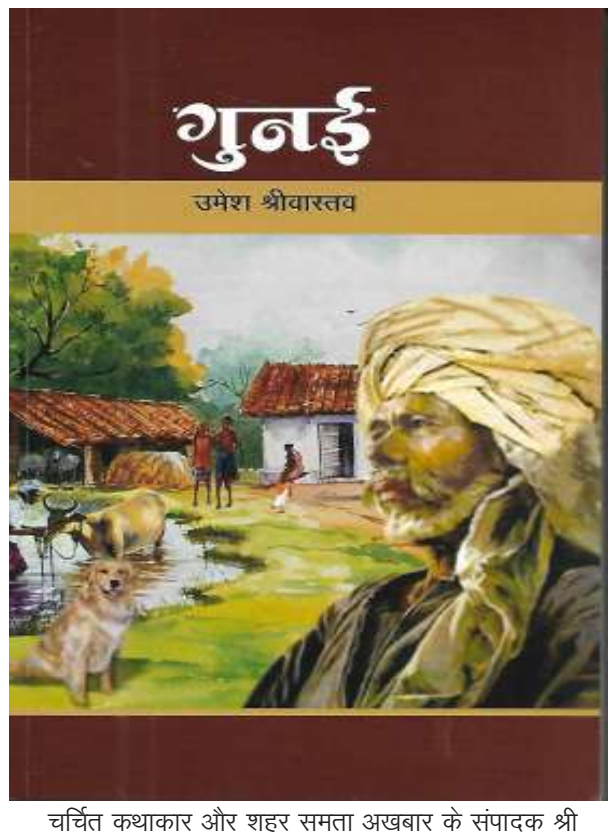

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

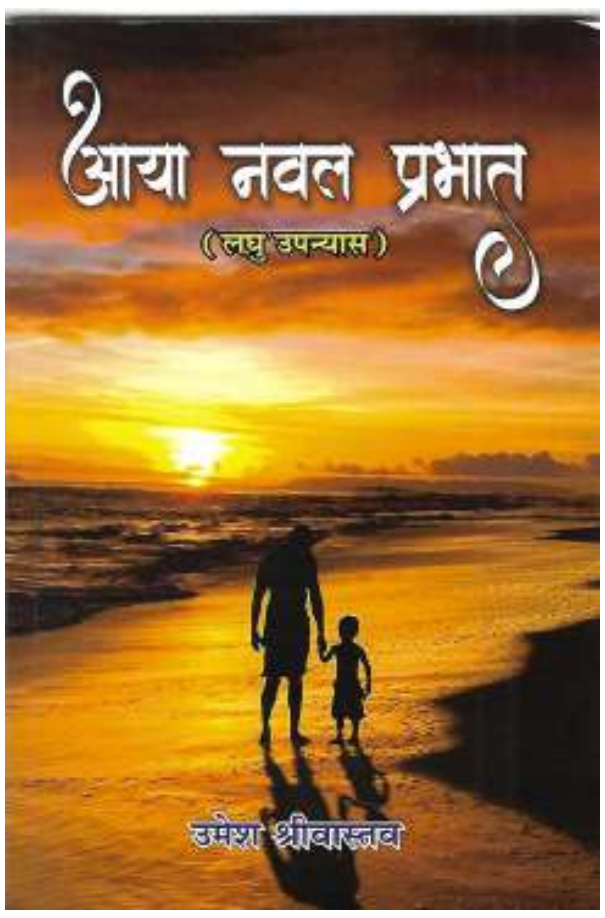

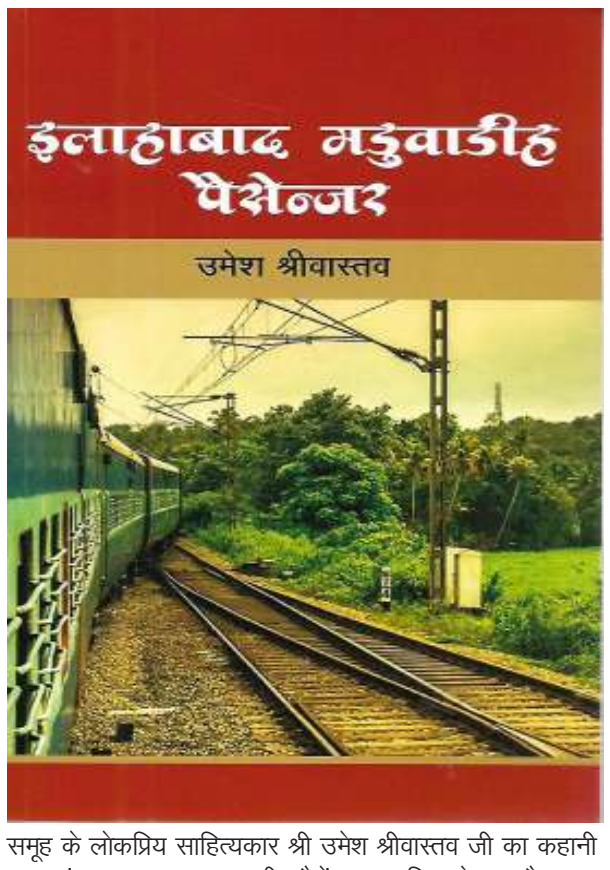

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

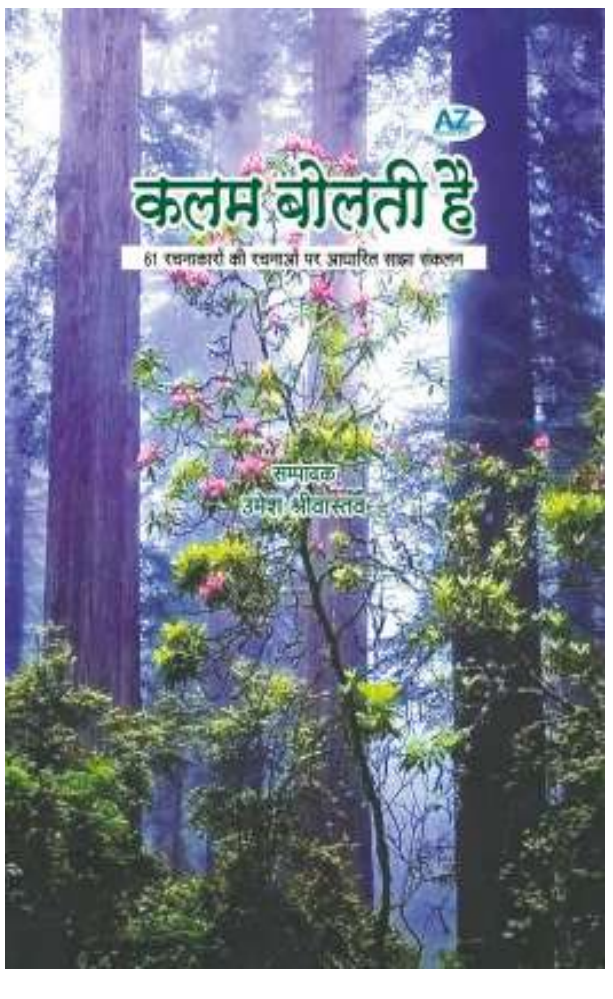

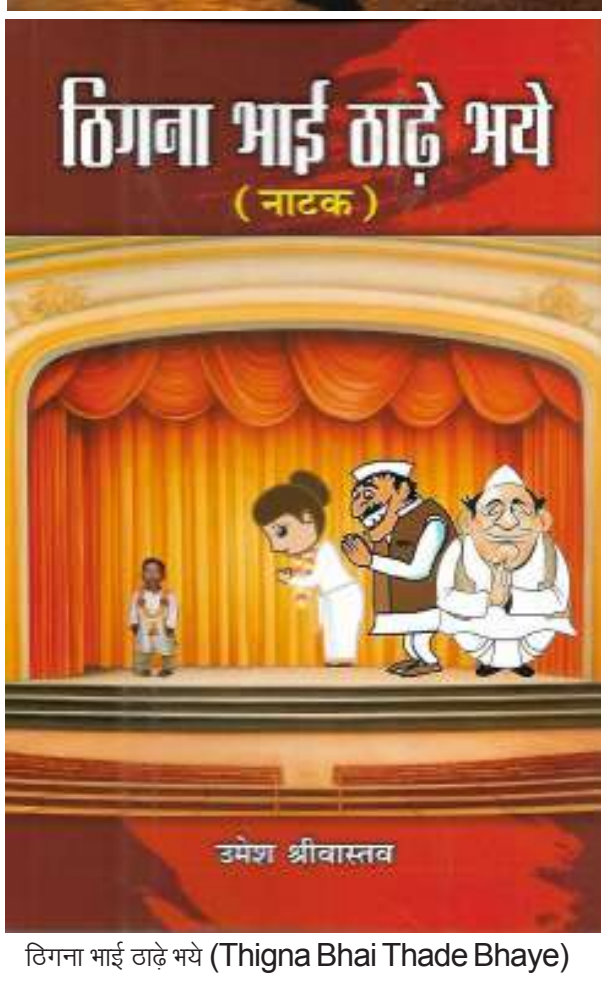

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अमेरिका हमले के लिए तैयार लेकिन तेहरान को अभी भी शांति की उम्मीद, ईरानी विदेश मंत्री ने दिया बड़ा बयान

एजेंसी। अमेरिका की सैन्य तैयारियों और बयानबाजी से लग रहा है कि अमेरिका, ईरान पर हमले के लिए तैयार है। हालांकि ईरान अभी भी शांति की बात कर रहा है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने एक ताजा बयान में कहा है कि ईरान अमेरिका के साथ जल्द से जल्द एक न्यायसंगत और बराबरी वाला समझौता करना चाहता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के पास एक ऐतिहासिक मौका है, जिसके तहत वे एक ऐसा समझौता कर सकते हैं जैसा पहले कभी नहीं हुआ। अराघची ने यह बात सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखी। यह बयान तेहरान और वॉशिंगटन के बीच होने वाली तीसरे दौर की अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता से पहले आया है। यह वार्ता गुरुवार को जिनेवा में होने वाली है। दोनों देश पहले भी दो चरणों में बातचीत कर चुके हैं। अराघची ने कहा, शपिछले राउंड में बनी समझ के आधार पर, ईरान जिनेवा में अमेरिका के साथ बातचीत फिर से शुरू करेगा, इस पक्के इरादे के साथ कि वह कम से कम समय में एक सही और बराबर डील करेगा। उन्होंने कहा, शहमारे बुनियादी यकीन बिल्कुल साफ हैं, ईरान किसी भी हालत में कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगाय न ही हम ईरानी अपने लोगों के लिए शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक के फायदों का इस्तेमाल करने के अपने अधिकार को कभी छोड़ेंगे। अराघची ने कहा कि दोनों पक्षों के पास एक ऐसा ऐतिहासिक मौका है, जिससे आपसी चिंताओं को दूर किया जा सके और साझा हितों को हासिल किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कूटनीति को प्राथमिकता दी जाए तो डील हो सकती है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में अमेरिका ने मध्य पूर्व में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाई है। इसके साथ ही अमेरिका और ईरान के बीच दो दौर की अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता हो चुकी है। इन वार्ताओं में ईरान के परमाणु कार्यक्रम और अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई है। मंगलवार को ही, ईरान के राजनीतिक मामलों के डिप्टी विदेश मंत्री माजिद तख्त रवांची ने कहा कि ईरान यूएस के साथ न्यूक्लियर एग्रीमेंट करने के लिए जो भी जरूरी होगा करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि हम समझौता करने के लिए पूरी ईमानदारी और सकारात्मक सोच के साथ जिनेवा में बातचीत करने जाएंगे। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि अमेरिका भी इसी तरह सकारात्मक रुख अपनाएगा। उनका कहना है कि यदि सभी पक्षों में राजनीतिक इच्छाशक्ति हो, तो समझौता जल्द किया जा सकता है।

बर्फीले तूफान के कारण 153 साल में पहली बार नहीं छपा अखबार, लाखों घरों की बिजली गुल, हजारों फ्लाइट रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के कई हिस्सों में भीषण बर्फबारी और तेज हवाओं ने जनजीवन बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। खराब मौसम के कारण कई एयरपोर्ट्स पर रनवे

अस्थायी रूप से बंद करने पड़े, जिससे उड़ान संचालन ठप हो गया। रविवार से मंगलवार के बीच 11,055 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। सिर्फ सोमवार को ही लगभग 5,600 से 5,700 उड़ानें कैंसिल हुईं, जो देशभर की कुल उड़ानों का करीब 20 प्रतिशत थीं। फ्लाइट ट्रैकिंग कंपनी फ्लाइटअवेयर के अनुसार, मौसम की इस मार ने हवाई यात्रा को व्यापक रूप से प्रभावित किया। नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक, रोड आइलैंड और मैसाचुसेट्स के कुछ इलाकों में करीब 37 इंच तक बर्फ दर्ज की गई, जिससे सड़क और हवाई यातायात दोनों बाधित हुए। भारी बर्फबारी और तूफानी हवाओं के चलते उत्तर–पूर्वी राज्यों में 6 लाख से अधिक घरों की बिजली गुल हो गई, जबकि सोमवार शाम तक 5,19,232 घर और कार्यालय अंधेरे में डूबे रहे। स्थिति इतनी गंभीर रही कि 153 साल के इतिहास में पहली बार 'द बोस्टन ग्लोब' अखबार का प्रिंट संस्करण प्रकाशित नहीं हो सका, क्योंकि भारी बर्फबारी के कारण कर्मचारी प्रिंटिंग प्रेस तक पहुंच ही नहीं पाए। इसके चलते कई राज्यों में आपातकाल घोषित करना पड़ा। न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में रविवार से सोमवार के बीच करीब 20 इंच बर्फ दर्ज की गई, जबकि लॉन्ग आइलैंड के इस्लिप में 22 इंच से ज्यादा बर्फ गिरी। रोड आइलैंड के प्रोविडेंस में 32.8 इंच बर्फबारी ने 1978 का 28.6 इंच का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। खराब मौसम को देखते हुए न्यूयॉर्क सिटी में एहतियातन स्कूल, सड़कें, पुल और हाईवे अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए। हालांकि हालात में सुधार होने पर मेयर ने प्रतिबंध हटाते हुए स्कूलों को मंगलवार से फिर खोलने की घोषणा की। मैसाचुसेट्स की गवर्नर मॉरा हीली ने कुछ इलाकों में ट्रैवल बैन लागू कर लोगों से घरों में रहने की अपील की, जबकि रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैकी ने पूरे राज्य में यात्रा पर रोक लगा दी। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने भी पूरे राज्य में इमरजेंसी घोषित कर नेशनल गार्ड को अलर्ट पर रखा। तूफान का असर केवल सड़क और हवाई सेवाओं तक सीमित नहीं रहा। न्यूयॉर्क और बोस्टन के बीच ट्रेन सेवाएं सोमवार रात तक निलंबित रहीं, वहीं ब्रॉडवे के सभी शो भी रविवार शाम रद्द कर दिए गए। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, यह लगभग एक दशक का सबसे शक्तिशाली नॉरईस्टर तूफान माना जा रहा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

ट्रंप ने सैनिकों को किया सम्मानितय वेनेजुएला में मादुरो को पकड़ने वाले पायलट को मिला विशेष सम्मान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को अपने श्स्टेट ऑफ द यूनियनश संबोधन के दौरान अमेरिकी सेना के उन सदस्यों को सम्मानित किया, जिन्होंने देश और विदेश में अदम्य साहस का परिचय दिया। इस दौरान वॉशिंगटन में गोलीबारी का शिकार हुए नेशनल गार्ड के सदस्यों और वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने वाले मिशन के हीरो को मेडल दिए गए। ट्रंप ने आर्मी चीफ वारंट ऑफिसर 5 एरिक स्लोवर को श्कांग्रेसनल मेडल ऑफ ऑनरश से नवाजा। स्लोवर उस लीड चिनूक हेलीकॉप्टर के पायलट थे, जिसने तीन जनवरी को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए उनके किलेनुमा घर पर रेड की थी। श्कांग्रेसनल मेडल ऑफ ऑनरश सम्मान संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे प्रतिष्ठित सैन्य वीरता पुरस्कार है, जो युद्ध के दौरान असाधारण साहस और कर्तव्य की सीमा से परे बलिदान दिखाने वाले सैनिकों को दिया जाता है। यह पदक राष्ट्रपति द्वारा अमेरिकी कांग्रेस की ओर से दिया जाता है। ट्रंप ने बताया कि लैंडिंग के दौरान दुश्मन की मशीन गनों ने स्लोवर के हेलीकॉप्टर पर गोलियां बरसाईं। इस दौरान स्लोवर के पैर और कूल्हे में चार गोलियां लगीं, जिससे उनका पैर कई जगह से टूट गया। इसके बावजूद, उन्होंने हेलीकॉप्टर पर नियंत्रण बनाए रखा और अपने गनर्स को जवाबी कार्रवाई का मौका दिया। ट्रंप ने कहा, पूरे मिशन की सफलता और साथियों की जान एरिक की दर्द सहने की क्षमता पर टिकी थी। स्लोवर वॉकर के सहारे मेडल लेने पहुंचे। इसके अलावा, ट्रंप ने 100 वर्षीय रिटायर्ड नेवी पायलट कैप्टन ई. रॉयस विलियम्स को भी श्मेडल ऑफ ऑनरश दिया। विलियम्स ने कोरियाई युद्ध के दौरान कई सोवियत जेट मार गिराए थे। ट्रंप ने उन्हें आखिरी जीवित लेजेंड्स में से एक बताया। व्हाइट हाउस ने जानकारी दी है कि मादुरो मिशन में शामिल 10 अन्य सैनिकों को जल्द ही एक निजी समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा ट्रंप ने एयर फोर्स स्टाफ सार्जेंट एंड्रयू वोल्फ को श्पर्पल हार्टश मेडल से सम्मानित किया। वोल्फ को पिछले साल 26 नवंबर को वॉशिंगटन में पेट्रोलिंग के दौरान गोली मारी गई थी। इस दौरान वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हालांकि इलाज के बाद उन्हें बचा लिया गया था। ट्रंप ने कहा, श्भगवान की मदद से, एंड्रयू मौत के मुंह से वापस आए हैं और चमत्कारिक रूप से ठीक हो रहे हैं।श वेस्ट वर्जीनिया नेशनल गार्ड के जनरल जेम्स सीवार्ड ने वोल्फ के सूट पर मेडल लगाया। इस हमले में वोल्फ की साथी, यूएस आर्मी स्पेशलिस्ट सारा बेकस्ट्रॉम की थैंक्सगिविंग डे पर मौत हो गई थी। ट्रंप ने गैलरी में मौजूद सारा के माता–पिता इवेलिया और गैरी बेकस्ट्रॉम से कहा, श्आपकी बेटी एक सच्ची देशभक्त थी। बता दें कि पर्पल हार्ट मेडल मुख्य रूप से अमेरिकी सशस्त्र बलों के उन सैन्य सदस्यों को दिया जाता है जो पांच अप्रैल, 1917 के बाद से किसी विदेशी दुश्मन से लड़ते हुए घायल या शहीद हुए हों। यह अमेरिका के सबसे पुराने सैन्य सम्मानों में से एक है, जो राष्ट्रपति के नाम पर दिया जाता है। ट्रंप ने बताया कि हमलावर रहमानुल्लाह लकनवाल (29) एक अफगान नागरिक है, जो 2021 में बाइडेन प्रशासन के श्ऑपरेशन एलाइज वेलकमश के तहत अमेरिका आया था। ट्रंप ने कहा कि इस बंदूकधारी को हमारे देश में नहीं होना चाहिए था। लकनवाल फिलहाल हिरासत में है।

'उनकी नीतियां गलत, लेकिन वे इंसान अच्छे हैं', ट्रंप ने न्यूयॉर्क के भारतवंशी मेयर ममदानी की तारीफ की

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क के भारतवंशी मेयर जोहरान ममदानी की तारीफ की है। ट्रंप ने बुधवार को स्टेट ऑफ द यूनियन (अमेरिकी संसद) को संबोधित करते हुए अपने विरोधी नेता जोहरान ममदानी को अच्छा इंसान बताया। ट्रंप ने कहा, ममदानी की नीतियां गलत हैं, लेकिन वे इंसान अच्छे हैं। अपने संबोधन में ट्रंप ने कहा, श्अब न्यूयॉर्क शहर में एक वामपंथी मेयर हैं। मुझे लगता है कि वे अच्छे इंसान हैं, लेकिन उनकी नीतियां गलत हैं। उन्होंने अभी कहा कि बर्फ हटाने के लिए लोगों की जरूरत है, लेकिन अगर आप नौकरी के लिए भी आवेदन करते हैं तो आपको पहचान पत्र और एक सोशल सिक्योरिटी कार्ड दिखाना होगा। लेकिन वे अमेरिका के लिए मतदान के लिए पहचान पत्र नहीं मांगते। ट्रंप का यह बयान उस संदर्भ में है, जिसमें ट्रंप अमेरिकी संसद पर दबाव बना रहे हैं कि वे चुनाव विधेयक सेव अमेरिका एक्ट पारित करें। इस विधेयक में लोगों को मतदान के लिए पंजीकरण कराते वक्त नागरिकता का प्रमाण देना होगा और वोटिंग के वक्त एक पहचान पत्र दिखाना होगा।

संसद में ट्रंप ने एक घंटे से ज्यादा समय तक दिए अपने संबोधन में अर्थव्यवस्था, टैरिफ, अवैध घुसपैठ समेत विभिन्न मुद्दों पर बात की। राष्ट्रपति ट्रंप ने स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण में अपनी सरकार की उपलब्धियों का गुणगान किया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की आजादी को 250 साल पूरे होने जा रहे हैं और दुनिया में कोई भी अमेरिका जैसा देश नहीं है और हम लगातार खुद को बेहतर कर रहे हैं। यह अमेरिका का स्वर्णिम काल चल रहा है। उन्होंने कहा कि अवैध घुसपैठ पर रोक लगी है और सीमा पर हालात पूरी तरह से बदल गए हैं। इस दौरान डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप के भाषण का विरोध करते हुए सदन से वॉकआउट किया, जिसके जवाब में रिपब्लिकन सांसदों ने नारेबाजी की। ट्रंप ने कहा, देश में अपराध कम हुआ है और एक साल में ही हमने पूरे देश को बदल दिया है और अभी तक ऐसा किसी ने नहीं किया है। आज हमारी सीमाएं सुरक्षित हैं। महंगाई कम हो रही है और लोगों की आय बढ़ रही है। देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत हो रही है और हमारे दुश्मन घबराए हुए हैं। हमारी सेना और पुलिस पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हैं। आज हमारी सीमाएं इतिहास में सबसे ज्यादा सुरक्षित हैं। बीते 9 महीने में एक भी अवैध घुसपैठ की घटना नहीं हुई है। हालांकि कानूनी तौर पर आने वाले लोगों का अमेरिका में स्वागत है। ट्रंप ने कहा, देश में खतरनाक फेंटानिल ड्रग की आमद में 56 प्रतिशत की कमी आई है। देश में हत्या दर में भी ऐतिहासिक तौर पर कमी आई है और यह 125 साल में सबसे कम है। बाइडन सरकार ने हमें खराब अर्थव्यवस्था दी थी, लेकिन हमने महंगाई को कम किया और बीते पांच साल मे यह सबसे कम है। गैसोलीन की कीमतों में भी भारी कमी आई है और कई राज्यों में यह 2.30 डॉलर से भी कम है। मोर्गेज रेट भी बेहद कम है। ट्रंप ने कहा कि स्टॉक मार्केट भी मजबूत है। हमने पेंशन बढ़ाई है और अमेरिका में बीते एक साल में 18 खरब डॉलर का निवेश आया है। निर्माण क्षेत्र में 70 हजार नई नौकरियां पैदा हुई हैं। अमेरिका में नेचुरल गैस का उत्पादन सर्वकालिक उच्च स्तर पर है। देश के इतिहास में मौजूदा समय में सबसे ज्यादा लोग काम कर रहे हैं और बीते एक साल में निजी क्षेत्र में 100 फीसदी नौकरियां पैदा हुई हैं।

खैबर पख्तूनख्वा से पंजाब प्रांत तक आतंक का साया, पुलिस वैन पर हमले से सात की मौत,टीटीपी पर गहराया शक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर–पश्चिमी इलाके में पुलिस पर हुए दोहरे हमले ने सुरक्षा हालात पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट जिले में संदिग्ध आतंकियों ने पुलिस वाहनों को निशाना बनाकर घात लगाकर हमला किया। इस हमले में कम से कम छह पुलिसकर्मियों और

एक आम नागरिक की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पहला हमला कोहाट में एक पुलिस वाहन पर किया गया, जिसमें एक अधिकारी की मौके पर ही मौत हो गई। कुछ ही मिनट बाद जब अतिरिक्त पुलिस बल वहां पहुंचा तो हमलावरों ने दोबारा हमला कर दिया। इस दूसरी घात में पांच और पुलिसकर्मी तथा एक नागरिक मारे गए। हमलावर घटना के बाद फरार हो गए और इलाके में सर्च अभियान शुरू किया गया है। इसी दिन पंजाब प्रांत के बुकर जिले में एक पुलिस चौकी पर आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया। इस विस्फोट में दो पुलिस अधिकारियों की मौत हुई और चार अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि हमले की जांच जारी है और अभी किसी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है। सुरक्षा एजेंसियां संभावित आतंकी नेटवर्क की तलाश में जुटी हैं। सोमवार को कराक इलाके में एक अर्धसैनिक चौकी पर विस्फोटकों से लदे ड्रोन से हमला किया गया था। इस हमले में कई अधिकारी घायल हुए। बाद में घायलों को ले जा रही एंबुलेंस पर भी घात लगाकर हमला किया गया, जिसमें तीन अधिकारियों की मौत हो गई और उनके शव जला दिए गए। एक एंबुलेंस चालक खुद झुलसने के बावजूद घायलों को अस्पताल पहुंचाने में सफल रहा। इन घटनाओं ने सुरक्षा बलों को सतर्क कर दिया है। हालिया हमलों की जिम्मेदारी किसी समूह ने नहीं ली है, लेकिन शक तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी पर जताया जा रहा है। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी के लड़ाके अफगानिस्तान की जमीन से काम करते हैं, हालांकि टीटीपी और काबुल इस दावे से इनकार करते हैं। रविवार को पाकिस्तानी सेना ने अफगान सीमा के पास कार्रवाई कर 70 आतंकियों को मार गिराने का दावा भी किया था। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने हमलों की निंदा की और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाल के हमलों से स्पष्ट है कि उग्रवादी समूह फिर सक्रिय हो रहे हैं। सीमा पार कार्रवाई और आतंकी हमलों के बीच पाकिस्तान में सुरक्षा हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं।

ईरान के लोगों को भड़का रहा अमेरिका?: ट्रंप की खुफिया एजेंसी ने बनाया खतरनाक प्लान, सीआईओ को मिलेगी हर अहम जानकारी

वॉशिंगटन, ईरान के साथ बढ़ते तनाव और संभावित सैन्य कार्रवाई की चर्चाओं के बीच अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए ने बड़ा कदम उठाया है। ट्रंप ईरान के खिलाफ सैन्य विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इसी बीच सीआईए ने फारसी भाषा में संदेश जारी कर ईरान के लोगों को सुरक्षित तरीके से संपर्क करने के निर्देश दिए हैं। सीआईए ने सोशल मीडिया मंचों एक्स, इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर फारसी भाषा में पोस्ट साझा किया। इसमें लिखा गया कि एजेंसी आपकी आवाज सुन रही है और मदद करना चाहती है। संदेश में बताया गया कि सुरक्षित वर्चुअल कॉल कैसे की जाए और पहचान छिपाकर संपर्क कैसे किया जाए। यह पोस्ट कुछ ही घंटों में लाखों बार देखा गया। एजेंसी पहले भी रूसी, मंदारिन और कोरियाई भाषाओं में ऐसे संदेश जारी कर चुकी है। इसके अलावा डार्कनेट के जरिए एजेंसी से जुड़ने की जानकारी भी साझा की गई है। एजेंसी के निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने पहले कहा था कि ऐसे अभियानों का असर पड़ रहा है, हालांकि उन्होंने किसी ठोस परिणाम का खुलासा नहीं किया। मध्य पूर्व में अमेरिका ने हाल के वर्षों में सबसे बड़ा सैन्य जमावड़ा किया है। ट्रंप ने जनवरी में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी थी। बाद में उनका फोकस ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर गया और उन्होंने समझौते की मांग दोहराई। इसी सप्ताह परमाणु वार्ता का एक और दौर प्रस्तावित है। ऐसे माहौल में सीआईए का संदेश और अधिक संवेदनशील माना जा रहा है। ईरान के भीतर भी असंतोष बढ़ता दिख रहा है। तेहरान के विश्वविद्यालयों में छात्रों ने सरकार विरोधी प्रदर्शन किए।

'जरूरी खनिजों पर चीन की पकड़ से रक्षा उद्योग को खतरा', अमेरिकी सांसदों ने दी चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में महत्वपूर्ण खनिजों और आधुनिक तकनीकी सप्लाई चेन्स को लेकर चिंता बढ़ रही है। अमेरिकी सांसदों ने चेतावनी दी है कि महत्वपूर्ण खनिजों पर चीन का दबदबा संकट के समय में अमेरिकी रक्षा उद्योग को कमजोर कर सकता है। वहीं, पेंटागन ने घरेलू सप्लाई चेन के पुनर्निर्माण के लिए किए गए विवादित इक्विटी निवेश और मूल्य गारंटी का बचाव किया है। सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के अध्यक्ष रोजर विकर ने सप्लाई चेन के पुनर्निर्माण पर कांग्रेस की सुनवाई में कहा, श्यह कोई बढ़ा–चढ़ाकर कहना नहीं होगा कि महत्वपूर्ण खनिजों पर चीन के पर अमेरिका की निर्भरता हमारी सबसे बड़ी रणनीतिक कमजोरियों में से एक है।श उन्होंने चेतावनी दी कि दुर्लभ धातुओं (रेयर अर्थ) के निर्यात में कटौती की धमकियों से अमेरिकी रक्षा उत्पादन घुटनों पर आ जाता और अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान होता। पेंटागन औद्योगिक नीति प्रमुख माइकल कैडेनाजी ने सीनेटरों को बताया कि यह जोखिम तत्काल है। उन्होंने कहा, श्यह कोई सैद्धांतिक जोखिम नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक स्पष्ट और मौजूदा खतरा है।श उन्होंने चेतावनी दी कि बीजिंग इन सप्लाई चेन को हथियार बना सकता है, जिससे हमारे डिफेंस इंडस्ट्रियल बेस में रुकावट आने और संकट में मिलिट्री की तैयारी से समझौता करने का खतरा है। कैडेनाजी ने बताया कि विभाग ने डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट के तहत और इंडस्ट्रियल बेस फंड के जरिए खनिज क्षेत्र में 97 करोड़ डॉलर का निवेश किया गया और अमेरिका एक व्यापक रणनीति पर काम कर रहा है, जिसमें उत्पादन को वापस लाना, सहयोगियों के साथ काम करना, रिसर्च और रीसाइक्लिंग में निवेश व राष्ट्रीय रक्षा भंडार का आधुनिकीकरण करना शामिल है। उन्होंने दुर्लभ धातुओं के उत्पादन को सुरक्षित करने के लिए श्एमपी मैटेरियल्स समझौतेश का जिक्र किया।

हालांकि, दोनों दलों के सांसदों ने पेंटागन पर कैलिफोर्निया में एमपी मटेरियल्स नाम की दुर्लभ धातु खनन कंपनी में 40 करोड़ डॉलर की लागत से 15 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी लेने पर सवाल उठाए। रैंकिंग मेंबर जैक रीड ने इस तरह के निवेश के कानूनी आधार पर सवाल उठाया और कहा कि डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट में श्इक्विटी निवेश का बिल्कुल भी जिक्र नहीं है।

कैडेनाजी ने इक्विटी निवेश का बचाव करते हुए कहा कि यह निजी निवेश के लिए उत्प्रेरक है, खासकर उस स्थिति में जब बाजार–आधारित दृष्टिकोण विफल रहा। उन्होंने तर्क दिया कि मूल्य–न्यूनतम खुले बाजार के विश्लेषण के आधार पर तय किए गए, ताकि चीन की ओर से नियंत्रित मूल्य–न्यूनतम का मुकाबला किया जा सके।

सुनवाई में परमिट और पर्यावरण सुरक्षा उपायों को लेकर मतभेद भी सामने आया। सीनेटर डैन सुलिवन ने कहा कि पर्यावरण संबंधी पाबंदियां माइनिंग डेवलपमेंट के लिए विवाद का एक बड़ा मुद्दा रही हैं, जबकि सीनेटर माजी के. हिरोनो ने कहा कि पर्यावरण संबंधी जरूरतें जरूरी हैं और हम सिर्फ इसलिए उन चीजों को नहीं छोड़ सकते, क्योंकि हम जरूरी खनिजों का खनन करना चाहते हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।